संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 283
पृष्ठ 8
शुक्रवार
03 जुलाई 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना बीमार पड़े लें बारिश का...
विचार- भारतीय स्टेट बैंक: राष्ट्र निर्माण...
खेल- विश्वकप के हीरो, आईपीएल में भी...

भारत-जापान के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा सहित अनेक क्षेत्रों में हुए समझौते

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और जापान ने विशेष रणनीतिक तथा वैश्विक साझेदारी के नये अध्याय की शुरूआत करते हुए आर्थिक सुरक्षा,रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता , प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग बढाने के अनेक समझौतों पर गुरूवार को हस्ताक्षर किये तथा कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की। मोदी ने भारत की तीन दिन की यात्रा पर आई जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के साथ यहां भारत जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के आज के माहौल में, आपसी विश्वास हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्र,समृद्ध और नियम आधारित हिन्द प्रशांत क्षेत्र को भारत और जापान की साझा प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इन समझौतों और पहल से क्षेत्र में शांति , स्थिरता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि जापान ने पिछले कई दशकों में ऑटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रानिक्स तक, भारत की विकास यात्रा का अहम हिस्सेदार बनकर दोस्ती और विश्वास की एक अमूल्य पूंजी बनाई है। अब इसे आगे बढाते हुए दोनों देशों में सहमति बनी है कि जापान अगले दस वर्षों में भारत में 100 खरब येन का निवेश करेगा और भारत में सक्रिय जापानी कंपनियों की संख्या दोगुना हो जायेगी। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने के लिए एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है और समझौते भी किये हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची और उनका विश्वास है कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में हमने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय ए आई इकोसिस्टम के कई प्रमुख संस्थानों ने भी आज अपने जापानी साझीदारों के साथ समझौते किए हैं। जापान की सटीक प्रौद्योगिकी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा। प्रधानमंत्री ने कहा की रक्षा के क्षेत्र में आज हमने भारत और जापान की पहली सह विकास परियोजना पर हस्ताक्षर किए हैं। नौसैनिक रेड़ियो एंटीना की यह परियोजना हमारी रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी में एक नया अध्याय शुरू करेगी। उन्होंने कहा अब हम ऐसी रक्षा प्रौद्योगिक साथ मिलकर विकसित करेंगे, जो क्षेत्रीय शांति, समुद्री सुरक्षा और नियम आधारित व्यवस्था को मजबूत करेंगी। मोदी ने कहा कि भारत-जापान निवेश साझेदारी निरंतर आगे बढ रही है। पिछले एक साल में 100 से ज्यादा नए व्यापारिक समझौते हुए हैं, भारत में 10 अरब डॉलर से ज्यादा जापानी निवेश आया है। आज वित्तीय सेवा एजेंसियों के बीच समझौते से पूंजी तथा निवेश प्रवाह और सुगम होगा। उन्होंने कहा ,हमारा लक्ष्य स्पष्ट है- अगले 10 वर्षों में जापान से भारत में 100 येन का निवेश, और भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी करना। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चतता के इस दौर में दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा के लिए संयुक्त रोड मैप तैयार किया है। उन्होंने कहा, इसके माध्यम से हम सेमीकंडक्टर क्वांटम और उन्नत सामग्रियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेंगे।

पेट्रोल और डीजल के दाम घटेंगे-हरदीप पुरी

नई दिल्ली,एजेंसी। अगर सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम घट सकते हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसके संकेत दिए हैं। पुरी ने कहा कि तेल कीमतों के कुछ सप्ताह तक निचले स्तर पर बने रहने पर पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती पर विचार करना उचित होगा। पुरी के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम घटे हैं लेकिन कंपनियां अब भी पश्चिम एशिया संकट के दौरान खरीदे गए कच्चे तेल का ही प्रोसेसिंग कर रही हैं। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 30 जून की अवधि तक पेट्रोल, डीजल और एलपीजी को लागत से कम दाम पर बेचने की वजह से पेट्रोलियम कंपनियों को 74,781 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दरअसल, कंपनियां ईंधन उत्पादन के लिए कच्चा तेल आमतौर पर कम-से-कम दो महीने पहले खरीदती हैं। ऐसे में वर्तमान में जिस कच्चे तेल का प्रोसेसिंग हो रहा है, वह मुख्य रूप से अप्रैल या मई की शुरुआत में खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें काफी ऊंची थीं। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने को लेकर सहमति बनने के बाद जून के दूसरे पखवाड़े से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आनी शुरू हुई है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि कंपनियां ईंधन उत्पादन के लिए कच्चा तेल आमतौर पर कम-से-कम दो महीने पहले खरीदती हैं। ऐसे में वर्तमान में जिस कच्चे तेल का प्रोसेसिंग हो रहा है, वह मुख्य रूप से अप्रैल या मई की शुरुआत में खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें काफी ऊंची थीं। आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने को लेकर सहमति बनने के बाद जून के दूसरे पखवाड़े से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आनी शुरू हुई है। हाल ही में पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कारण कटौती का दौर शुरू हो गया है। इसी कड़ी में बीते एक जुलाई को विमान ईंधन (एटीएफ) और कॉमर्शियल एलपीजी की कीमतों में कटौती की गई। वहीं, निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल के दाम घटाए, जो दो साल से अधिक समय में उसकी पहली कटौती है। अब सरकारी तेल कंपनियों पर हर किसी की निगाहें हैं। यह देखना अहम होगा कि इंडियन ऑयल और एचपी जैसी कंपनियां कब तक पेट्रोल-डीजल के दाम घटाती हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का देश के 90 प्रतिशत से अधिक ईंधन बाजार पर नियंत्रण हैं।

बिजली की नई दरें लागू, इस साल भी नहीं बढ़ेगा बिल

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बिजली की नई दरें लागू कर दी गई हैं। उपभोक्ताओं के लिए खुशी की बात ये है कि इस साल भी बिजली का बिल नहीं बढ़ेगा। इसकी जानकारी मंत्री ए.के शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करके दी। मंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा, यूपी का बिजली मैनेजमेंट ऐतिहासिक है। उत्तर प्रदेश में लगातार सातवें साल बिजली के रेट नहीं बढ़ाए गए हैं। सात साल से बिजली के रेट में एक पैसे की भी बढ़ोतरी नहीं हुई है। 2026-27 में भी सभी कंज्यूमर्स के लिए सात साल पहले वाले रेट लागू रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह ऐसे समय में है, जब बिजली सप्लाई अपने अधिकतम लेवल पर है। इस साल गर्मियों में 32673 ड के साथ यूपी में देश में सबसे ज्यादा सप्लाई का नया रिकॉर्ड बना है। कुदरती रुकावटों के बावजूद, हर शहर, हर गांव, हर सड़क, हर गली में 24•7 बिजली पहुंचाने की कोशिशें जारी हैं। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश में जुलाई माह के बिजली बिलों में उपभोक्ताओं को 4.43 प्रतिशत की राहत मिलेगी। एफपीपीसीए के तहत यह 15 महीनों की सबसे बड़ी कटौती है, जिससे करीब 358 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। बिजली खरीद लागत कम होने से यह राहत संभव हुई है, जबकि अतिरिक्त वसूली वापसी की मांग भी जारी है।

भारतीय रेलवे ने जून 2026 में बनाया नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रेलवे ने जून 2026 में माल ढुलाई और यात्री परिवहन, दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। रेलवे ने इस दौरान 1422.1 लाख टन माल की ढुलाई की, जो जून 2025 के 1367.1 लाख टन की तुलना में 55 लाख टन (4 प्रतिशत) अधिक है। इस बढ़ोतरी से रेलवे को करीब 430 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ। रेलवे के अनुसार जून महीने में विभिन्न प्रमुख वस्तुओं की ढुलाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उर्वरकों की ढुलाई में 19.1 प्रतिशत, अन्य सामान में 17.3 प्रतिशत, लौह अयस्क में 9.4 प्रतिशत, घरेलू कोयले में 4.9 प्रतिशत, कुल कोयले में 3.6 प्रतिशत तथा क्लिंकर में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में रेलवे ने 4190.8 लाख टन माल की ढुलाई की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 4130.5 लाख टन था। इस दौरान लौह अयस्क की ढुलाई में 7.44 प्रतिशत, क्लिंकर में 6.54 प्रतिशत और अन्य सामानों की ढुलाई में 12.16 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेलवे ने यह भी बताया कि जून 2026 में देश के ऊर्जा संयंत्रों को पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक कोयले की आपूर्ति की गई, जिससे बिजली उत्पादन बिना किसी बाधा के जारी रखने में मदद मिली।

मनीष तिवारी का तंज, काश लोगों की असुरक्षा का भी कोई एंटीडोट होता

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पार्टी की पंजाब इकाई में नए कार्यकारी अध्यक्षों और विभिन्न चुनाव समितियों के प्रमुखों की नियुक्तियों में खुद को नजरअंदाज किए जाने पर बृहस्पतिवार को कहा कि काश उनके पास व्यक्तियों और संस्थाओं की असुरक्षा का कोई एंटीडोट होता। तिवारी को पंजाब कांग्रेस के हालिया संगठनात्मक पुनर्गठन में कोई जिम्मेदारी नहीं मिली है। उन्होंने एक खबर साझा की, जिसमें कहा गया है कि पंजाब में कांग्रेस ने नए कार्यकारी अध्यक्षों और विभिन्न चुनाव समितियों के प्रमुखों की नियुक्ति की, लेकिन मनीष तिवारी को नजरअंदाज कर दिया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और चंडीगढ़ से लोकसभा सदस्य ने एक्स पर पोस्ट किया, है बड़ा कोई अवगुण उसमें, जिसे कोई हुनर आवे। काश मेरे पास व्यक्तियों और संस्थाओं की असुरक्षाओं का कोई एंटीडोट होता। उन्होंने कहा, इसके बावजूद, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मुझे पिछले 45 वर्षों में बहुत कुछ दिया है और मैंने भी अपने पूरे वयस्क जीवन को दशकों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सेवा में समर्पित किया है। तिवारी ने यह भी कहा कि जो होना है, वह होकर रहेगा। कांग्रेस ने पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले अपनी प्रदेश इकाई के नेतृत्व में बदलाव से जुड़ी अटकलों पर विराम लगाते हुए बुधवार को कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा अपने पदों पर बने रहेंगे। इसके साथ ही, पार्टी ने अपने दलित चेहरे और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का प्रमुख नियुक्त किया। पार्टी ने लोकसभा सदस्य सुखजिंदर रंधावा को कोर कमेटी, पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंघला को चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति और सांसद अमर सिंह को घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष बनाया है।

हिमाचल में बारिश का कहर जारी, 12 जिलों में येलो अलर्ट

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने गुरुवार को राज्य के सभी 12 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार दिनभर कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। येलो अलर्ट शिमला, कुल्लू, कांगड़ा, मंडी, सोलन, सिरमौर, हमीरपुर, ऊना, बिलासपुर, चंबा, किन्नौर तथा लाहौल-स्पीति जिलों के लिए जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास बना रहेगा और इसमें कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है। लगातार बारिश के कारण राज्यभर में 46 सड़कें बंद हो गई हैं। इनमें कुल्लू में 18, मंडी में 15, सिरमौर में 9 तथा ऊना और लाहौल-स्पीति में 2-2 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। इसके अलावा, 181 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर भी प्रभावित हुए हैं। इनमें मंडी में 122, सिरमौर में 43, चंबा में 12, कुल्लू में 3 और लाहौल-स्पीति में 1 ट्रांसफार्मर शामिल है।

बिहार-एमपी और गुजरात में चुनावी बिगुल, 30 जुलाई को होगी वोटिंग

नयी दिल्ली,एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने आज बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की। इन सीटों के लिए 30 जुलाई को मतदान होगा। आयोग ने कहा कि बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मंझलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन के विधायक पद से इस्तीफा देने से बांकीपुर, कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को धोखाधड़ी के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य ठहराए जाने से दतिया और भाजपा विधायक योगेशभाई पटेल के निधन के कारण मंझलपुर सीट रिक्त हुई है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव के लिए अधिसूचना छह जुलाई को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई है। नामांकन पत्रों की छानबीन 14 जुलाई को होगी और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 16 जुलाई निर्धारित की गई है। मतगणना तीन अगस्त को होगी। आयोग ने कहा कि जिन जिलों में इन विधानसभा क्षेत्रों का पूरा या कोई हिस्सा आता है, वहां आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। सभी मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) का इस्तेमाल किया जाएगा। आयोग ने इस बात को दोहराया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों और उन्हें टिकट देने वाले राजनीतिक दलों को उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ऐसे मामलों का विवरण समाचार पत्रों, टेलीविजन चौनलों और अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करना होगा।

राउत ने भाजपा पर कसा तंज, कहा- पार्टियों को तोड़ना ही इनका असली मकसद

मुबंई,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दलबदल कराने और विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए दीवाना हो गया है। हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि विपक्षी दलों को विभाजित करने के भाजपा के कथित प्रयास राजनीतिक संगठनों को तोड़ने के प्रति उसके जुनून को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, वे (भाजपा) पार्टियों को तोड़ने के लिए इतने जुनूनी हैं। वे अंत तक एक-दूसरे की पार्टियों को तोड़ देंगे। उन्होंने आगे दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता खो देती है तो वह खंडित हो जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया, मैंने यह पहले भी कहा हैरू जिस दिन वे सत्ता से बाहर हो जाएंगे। ये केंद्रीय एजेंसियां हमारे नियंत्रण में आ जाएंगी। भाजपा दस टुकड़ों में बिखर जाएगी। वह भी दस मिनट के भीतर। इस बीच, बुधवार को संजय राउत ने एमएलसी सचिन अहीर पर तीखा हमला करते हुए उन पर आरोप लगाया कि पार्टी से समर्थन मिलने के बावजूद उन्होंने लालच के कारण पार्टी को छोड़ दिया। एएनआई से बात करते हुए राउत ने अहीर द्वारा वर्षों से संभाले गए पदों की ओर इशारा करते हुए कहा, उन्हें सब कुछ मिला है। सचिन अहीर एमएलसी बने, पार्टी के उपनेता बने और कामगार सेना के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त हुए।

मणिपुर में 20 घर जलने पर राहुल ने केंद्र को घेरा

नफरत और हिंसा की आग में कम से कम 20 घर जल गए

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को मणिपुर की ताजा त्रासदी पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत और हिंसा की आग में कम से कम 20 घर जल गए हैं। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने एक समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र की आलोचना की।

गांधी ने कहा कि दो सरकारों और राष्ट्रपति शासन के बावजूद राज्य में संघर्ष गहराता जा रहा है। उन्होंने कहा, मणिपुर वर्षों से जल रहा है, और आज फिर नफरत और हिंसा की आग में 20 घर राख हो गए हैं। हजारों लोगों ने अपनी जान गंवाई है और अनगिनत परिवार बिखर गए हैं। मणिपुर जो असहनीय पीड़ा झेल रहा है, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। गांधी ने आगे कहा कि मोदी सरकार की विभाजनकारी नीति लोगों को धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र और पहचान के नाम पर बांटती है। उन्होंने टिप्पणी की कि यह मोदी सरकार की विभाजनकारी विचारधारा का परिणाम है। आज केवल मणिपुर ही नहीं, बल्कि पूरे देश ने प्रधानमंत्री से सहानुभूति के दो शब्दों की भी उम्मीद छोड़ दी है। मणिपुर बेहतर का हकदार है, और इसके लिए भारत को एकजुट करना ही एकमात्र रास्ता है।

इससे पहले 23 जून को हजारों महिला विक्रेताओं ने धरना प्रदर्शन किया था। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गांव के स्वयंसेवकों की हालिया गिरफ्तारी पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। मणिपुरी समाज में एक शक्तिशाली और प्रभावशाली समूह के रूप में, प्रदर्शनकारियों ने तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI), सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) और मणिपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए स्वयंसेवकों की बिना शर्त रिहाई की मांग की। उन्होंने तीन अराम्बई तेंगगोल (AT) स्वयंसेवकों को भी तुरंत रिहा करने की मांग की। यह विरोध NIA द्वारा मणिपुर में जातीय हिंसा से जुड़े छह मामलों में 10 आरोपियों की गिरफ्तारी की घोषणा के कुछ दिनों बाद हुआ। एजेंसी के अनुसार, गिरफ्तारियां एक समन्वित अभियान के दौरान की गईं। यह अभियान मणिपुर पुलिस और CRPF के साथ मिलकर कई जिलों में चलाया गया था।

मोबाइल देखने से मना करने पर नाबालिग छात्रा ने फंदे से लटक कर दी जान

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र के बघेड़ा गांव में कक्षा 11 में पढ़ने वाली छात्रा ने गले में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मोबाइल देखने को लेकर बहनों से विवाद होने के बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। करछना थाना क्षेत्र के बघेड़ा गांव में कक्षा 11 में पढ़ने वाली छात्रा ने गले में फंदा लगाकर खुदकुशी

कर ली। मोबाइल देखने को लेकर बहनों से विवाद होने के बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव निवासी श्याम बाबू निषाद की पुत्री चांदनी (15) कक्षा 11 की छात्रा थी। बृहस्पतिवार सुबह मोबाइल देखने को लेकर उसकी बहनों से कहासुनी हो गई। विवाद के बाद वह नाराज होकर कमरे में चली गई। काफी देर तक बाहर नहीं निकली। परिजनों ने कमरे में जाकर देखा तो वह फंदे से लटकी मिली। यह देखकर मां ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

घटना की सूचना मिलने पर भुंडा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि घटना के समय मृतका के पिता और भाई निजी कंपनी में काम के सिलसिले में बाहर थे। घर में मां और उसकी बहनें ही मौजूद थीं। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

हाईकोर्ट सेवा के विभिन्न संवर्गो में पदोन्नति, कई अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में विभिन्न सेवा संवर्गों के अधिकारियों को पदोन्नति मिली है। निजी सचिव संवर्ग में अजीत कुमार (लखनऊ) को संयुक्त निबंधक सह निजी सचिव ग्रेड–4 और आशीष कुमार सिंह को उप निबंधक सह निजी सचिव ग्रेड–3 के पद पर पदोन्नति मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में विभिन्न सेवा संवर्गों के अधिकारियों को पदोन्नति मिली है। निजी सचिव संवर्ग में अजीत कुमार (लखनऊ) को संयुक्त निबंधक सह निजी सचिव ग्रेड–4 और आशीष कुमार सिंह को उप निबंधक सह निजी सचिव ग्रेड–3 के पद पर पदोन्नति मिली है। न्यायपीठ सेवा संवर्ग में संजय शर्मा व श्रीकर मिश्रा निबंधक सह मुख्य न्यायपीठ सचिव बने हैं। वहीं, राज पाल, राम औतार सिंह, सच्चिदानंद सिंह और सुधाकर त्रिपाठी को संयुक्त निबंधक सह न्यायपीठ सचिव ग्रेड–4 और अभय खरे, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, धीरज कुमार वर्मा और महेश कुमार सिंहा को उप निबंधक सह न्यायपीठ सचिव ग्रेड–3 के पद पर पदोन्नत मिली है।

सामान्य कार्यालय संवर्ग में पूनम बुध घोष को संयुक्त निबंधक और अंजना शुक्ला और हरीश चंद्र दिवाकर को उप निबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस संबंध में हाईकोर्ट के महानिबंधक मंजीत सिंह श्योराण की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। पदोन्नति पर हाईकोर्ट कर्मचारी अधिकारी संघ के महासचिव निखिल कुमार सिंह ने मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, कर्मचारी अधिकारी संघ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी, निबंधक (चयन एवं नियुक्ति) मानवर्धन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मंत्री नंदी ने मेजा तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिवार को दिया 15 लाख का चेक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मेजा थाना क्षेत्र के कुकुरकटवा गांव में जाकर तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री द्वारा

स्वीकृत 15 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मेजा थाना क्षेत्र के कुकुरकटवा गांव में जाकर तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत 15 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। परिवार के पांच सदस्यों के नाम किए गए एक–एक बिस्वा आवासीय भूमि पट्टा का कागजात भी सौंपा गया। पीड़ित परिवार ने मंगलवार को मंत्री नंदी के जरिए सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर सहायता और सुरक्षा की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने हर संभव सहायता के साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिलाया था। मुलाकात के कुछ घंटों के अंदर ही मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक सहायता का चेक जारी किया गया। पीड़ित परिवार के तीन सदस्यों के नाम मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी चेक लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी बुधवार को दोपहर लखनऊ से सीधे मेजा के कुकुरकटवा गांव पहुंचे। इस दौरान पुलिस कमिश्नर जोगेंदर सिंह, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, डीसीपी यमुनानगर विवेक कुमार यादव, एसडीएम मेजा नीलम उपाध्याय दल–बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। साथ ही बड़ी संख्या में आस–पास के गांवों और क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। जिनकी उपस्थिति में मंत्री ने रामरती पत्नी स्वर्गीय श्याम लाल, मुकेश पुत्र स्वर्गीय दूधनाथ, रामनिरंजन पुत्र स्वर्गीय गुलजार, सरस्वती देवी पत्नी मंजेश और निब्बूलाल पुत्र स्वर्गीय गुलजार को नाम प्रशासन द्वारा पट्टा किए गए एक–एक बिस्वा आवासीय जमीन के कागजात प्रदान किया।

बता दें कि मेजा थाना क्षेत्र के कुकुरकटवा गांव में 15 जून की रात श्याम लाल गुप्ता (65), इंद्रावती देवी (58) और अमरावती देवी (52) की निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी गई थी। तीनों के शव घर के बाहर मिले थे। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी हिमांशु यादव सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद हिमांशु को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने 19 जून को मेजा के नीबी कुकुरकटवा गांव में तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया था।

डिप्टी सीएम केशव ने कहा: विपक्षियों की बौखलाहट का नतीजा है चंपत राय पर लांछन, 2027 में सैफई लौटेंगे अखिलेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपना सर्वस्व त्याग दिया है, लेकिन विपक्ष अपनी सियासी जमीन खिसकती देख उन पर अनर्गल लांछन लगा रहा है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपना सर्वस्व त्याग दिया है, लेकिन विपक्ष अपनी सियासी जमीन खिसकती देख उन पर अनर्गल लांछन लगा रहा है।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि जिन्होंने चोरी की है, उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है और सख्त कार्रवाई होगी। विरोधियों के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसीलिए वे राम मंदिर को लेकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

सर्किट हाउस में पार्टी नेताओं एवं मीडिया से हुई बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश

यादव आजकल नया झूठ फैला रहे हैं कि 2027 में चुनाव नहीं होगा, लेकिन चुनाव भी समय पर होगा और भाजपा भारी बहुमत से जीतकर अखिलेश यादव को सैफई भेजने का काम करेगी। केशव प्रसाद मौर्य ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। वे 2027 में सत्ता में आने का ख्वाब देख रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि 2047 तक उनकी सत्ता में वापसी नहीं होने वाली। इस बौखलाहट में वे ऊल–जुलूल बयान दे रहे हैं, जबकि उन्हें 2047 तक अपनी पार्टी का अस्तित्व बचाने की चिंता करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का लक्ष्य प्रयागराज की सभी 12 सीटें जीतने का होना चाहिए। यदि भाजपा पश्चिम बंगाल में मजबूती से लड़ सकती है, तो उत्तर प्रदेश में तो परिस्थितियां बेहद अनुकूल हैं। सर्किट हाउस में उन्होंने कार्यकर्ताओं और आम जनता की समस्याएं भी सुनीं। इस अवसर पर काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, संजय गुप्ता, निर्मला पासवान, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह, विधायक दीपक पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, सुबोध सिंह, आशीष गुप्ता, आनंद सोनकर, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बादल–बारिश के बीच पसीना छुड़ा रही नमी, एक सप्ताह तक ऐसा ही रहेगा मौसम

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार देर रात हुई हल्की बारिश के बावजूद लोगों को उमस से राहत नहीं मिली। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक आसमान में बादल छाए रहने, रुक–रुक कर बारिश या गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। हालांकि लगातार और व्यापक बारिश के अभाव में उमस बनी रह सकती है।

प्रयागराज में बुधवार देर रात हुई हल्की बारिश के बाद लोगों को गर्मी से कुछ समय के लिए राहत तो मिली, लेकिन वातावरण में नमी बढ़ने से बृहस्पतिवार सुबह से ही उमस ने लोगों को परेशान किया।

बादलों की आवाजाही और हल्की हवाओं के बावजूद चिपचिपी गर्मी का असर पूरे शहर में महसूस किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसूनी गतिविधियां सक्रिय हैं, लेकिन फिलहाल लगातार और तेज बारिश की स्थिति नहीं बन रही है। इसी कारण तापमान में बड़ी गिरावट नहीं आएगी और उमस बनी रह सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार प्रयागराज में अगले सात दिनों तक मौसम का मिजाज बदलता रहेगा। अधिकांश दिनों में आसमान आंशिक से सामान्य रूप से बादलों से ढका रहेगा तथा एक–दो दौर की बारिश या गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग का कहना है कि छिटपुट बारिश के कारण गर्मी की तीव्रता में कुछ कमी आएगी, लेकिन वातावरण में नमी अधिक रहने से लोगों को उमस का सामना करना पड़ेगा। विशेष रूप से दोपहर के समय बाहर निकलने वालों को अधिक परेशानी हो सकती है। बीच–बीच में गरज–चमक और तेज हवा के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना भी बनी हुई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जुलाई के पहले सप्ताह में मानसूनी गतिविधियों में धीरे–धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि पूरे महीने के स्तर पर देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा का अनुमान जताया गया है, लेकिन शुरुआती सप्ताह में वर्षा की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

विशेषज्ञों ने लोगों को सलाह दी है कि गरज–चमक के दौरान खुले स्थानों में जाने से बचें, बिजली गिरने की आशंका होने पर सुरक्षित स्थान पर रहें तथा पर्याप्त पानी पीते रहें, क्योंकि बारिश के बावजूद उमस शरीर पर अधिक प्रभाव डाल सकती है। मौसम विभाग ने फिलहाल प्रतिदिन स्थानीय स्तर पर मौसम संबंधी अपडेट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

कमाई में हमसफर अव्वल, यात्रियों की पसंद में लालगढ़ एक्सप्रेस का जलवा

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में सर्वाधिक कमाई करने वाली ट्रेन अब हमसफर एक्सप्रेस बन गई है। हमसफर एक्सप्रेस बन गई है। एक अप्रैल से 30 जून के बीच की तिमाही में हमसफर एक्सप्रेस ने 12.73 करोड़ रुपये की कमाई

एक अप्रैल से 30 जून के बीच की तिमाही में हमसफर एक्सप्रेस ने 12.73 करोड़ रुपये की कमाई की। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में सर्वाधिक कमाई करने वाली ट्रेन अब की। इस सूची में दूसरा स्थान प्रयागराज–लालगढ़ एक्सप्रेस का रहा। कमाई के लिहाज से लालगढ़ एक्सप्रेस ने 11.74 करोड़ रुपये प्रयागराज मंडल की झोली में डाले। इस ट्रेन में सर्वाधिक 1.51 लाख यात्रियों ने सफर किया। इस दौड़ में प्रयागराज–डॉ. आंबेडकर नगर एक्सप्रेस ने 10.23 करोड़ रुपये के राजस्व और 1.33 लाख यात्रियों के साथ तीसरे पायदान पर रही।

वीआईपी ट्रेन मानी जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस अब चौथे स्थान पर खिसक गई है। प्रयागराज एक्सप्रेस ने 8.75 करोड़ रुपये जुटाकर और 1.12 लाख यात्रियों को सफर कराकर चौथा स्थान हासिल किया। दिलचस्प बात यह रही कि प्रयागराज–लोकमान्य तिलक दुरंतो एक्सप्रेस ने महज 32 हजार यात्रियों के साथ ही 8.27 करोड़ रुपये कमा लिए और पांचवां स्थान हासिल किया।

कानपुर शताब्दी और श्रम शक्ति भी टॉप–10 में शामिल

बुंदेलखंड रूट की मानिकपुर–हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 7.86 करोड़ रुपये की कमाई और छठे नंबर पर रही। कानपुर सेंट्रल–नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस ने 7.76 करोड़ रुपये कमाए और 86 हजार यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया। इसके बाद कालिंदी एक्सप्रेस 6.8 करोड़ रुपये और कानपुर–नई दिल्ली श्रम शक्ति एक्सप्रेस 6.73 करोड़ रुपये बटोरकर क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर रहीं। शीर्ष 10 में आखिरी स्थान सूबेदारगंज–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा जम्मू मेल को मिला, जिसने 90 हजार यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया।

23 हजार बच्चे कुपोषित, योजना को चाहिए पोषण

प्रयागराज। राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद प्रयागराज में बच्चों के कुपोषण की स्थिति चिंताजनक है। ताजा आंकड़े योजना के क्रियान्वयन पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, एक स्वस्थ बच्चे का जन्म कराने में सरकार औसतन 30 हजार रुपये खर्च करती है। यह प्रक्रिया गर्भावस्था से शुरू होकर बच्चे के जन्म लेने और बाद में पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में उपचार तक जारी रहती है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से निशुल्क टीकाकरण भी इस प्रयास का हिस्सा है। इसके बावजूद जिले में 23,458 बच्चे कुपोषण से जूझ रहे हैं। इनमें 20,752 मध्यम कुपोषित और 2,706 अति कुपोषित हैं। गांवों की तुलना में शहरी क्षेत्र में गंभीर कुपोषण के मामले अधिक हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। जांच के दौरान सामने आया कि कई बच्चे जन्म से ही कमजोर हैं। इसके प्रमुख कारण गर्भावस्था के दौरान मां में खून की कमी होना, छह माह तक पर्याप्त स्तनपान न मिलना, संतुलित भोजन की कमी, बार–बार संक्रमण, कम वजन के साथ जन्म और पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव माने गए। राष्ट्रीय पोषण अभियान, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य विभाग की तमाम योजनाएं इन्हें स्वस्थ शरीर नहीं दे सकीं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्भवती की प्रसव पूर्व जांच, आयरन–फोलिक एसिड का वितरण, टीकाकरण, आंगनबाड़ी से पूरक पोषाहार, स्तनपान परामर्श, नियमित स्वास्थ्य जांच, एनआरसी में भर्ती, इलाज और फॉलोअप जैसी सेवाएं शामिल हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में बच्चे कुपोषण के दायरे में बने हुए हैं।

सैकड़ों वाहन बिना फिटनेस–परमिट के भर रहे फर्राटे, खतरे में नौनिहाल

प्रयागराज। स्कूलों का शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। जिले में 500 से अधिक स्कूली वाहन बिना फिटनेस, परमिट और अनुभवी चालक के चल रहे हैं। संभागीय परिवहन विभाग ने इनमें 272 गाड़ियों की सूची जांच के लिए तीन एआरटीओ और तीन पीटीओ को बुधवार को सौंपी है। परिवहन विभाग के अनुसार, 336 स्कूली वाहनों का फिटनेस समाप्त हो चुका है। इसके अलावा 80 वाहनों का परमिट भी खत्म हो गया है। वहीं, 180 वाहन 15 वर्ष से अधिक पुराने और जर्जर हालत में हैं। ये सभी वाहन बिना किसी कागजात के बच्चों का परिवहन कर रहे हैं। जिले में लगभग छह हजार स्कूल संचालित हैं, पर केवल 1288 स्कूली वाहन ही पंजीकृत हैं। एक हजार से अधिक स्कूल प्रबंधन इन नियमों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मिशन सेफ फ्यूचर अभियान 15 जुलाई तक :परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन के निर्देश पर मिशन सेफ फ्यूचर अभियान शुरू हुआ है। यह अभियान 15 जुलाई तक शिक्षण संस्थाओं में चलेगा। आरटीओ प्रवर्तन एसपी सिंह के अनुसार 272 परमिट और फिटनेस फेल स्कूली गाड़ियों की सूची तीन एआरटीओ और तीन पीटीओ को सौंपी गई है। बुधवार को पीटीओ केकी मिश्रा ने एक बिना परमिट वाहन सीज किया। उन्होंने फिटनेस समाप्त हो चुके दो वाहनों का चालान कर चेतावनी भी दी। वहीं इसके अलावा अन्य सात वाहनों का चालान किया गया है।

स्कूली बसों में आवश्यक सुरक्षा सुविधाएं : स्कूली वाहनों में वैध फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट और बीमा होना अनिवार्य है। साथ ही अनुभवी चालक, परिचालक और फर्स्ट एड बॉक्स भी जरूरी हैं। अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर, जीपीएस और सीसीटीवी कैमरा भी लगाए जाने चाहिए।

डिजिटल हुई सहकारिता, नई समितियां से आसानी से मिलेगा उर्वरक

प्रयागराज। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता विभाग ने जिले में तैयारियां तेज कर दी हैं। किसानों की जरूरतों को देखते हुए 193 सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरक दिया जा रहा है। वहीं, सहकार से समृद्धि योजना के तहत जिले में 48 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है। साथ ही 36 समितियां पूरी तरह ई–पैक्स कंप्यूटरीकृत हो चुकी हैं। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता साधना सिंह के अनुसार, नवगठित 48 समितियों में से 35 को आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए धनराशि उपलब्ध करा दी गई है। 20 को आवश्यक संसाधन भी मिल चुके हैं। कौंधियारा ब्लॉक के बेलसारा, मेजा के चपरो और धनुपुर के हरिपुर में तीन नई बी–पैक्स समितियां शुरू हो चुकी हैं। इन समितियों में किसानों की मांग के अनुरूप उर्वरक का भंडारण और वितरण भी शुरू कर दिया गया है। विभाग का दावा है कि नई समितियों के विस्तार और ई–पैक्स कम्प्यूटरीकरण से सहकारी व्यवस्था पहले से अधिक आधुनिक और पारदर्शी बनेगी। इससे किसानों को उर्वरक के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और खरीफ सीजन में समय पर खाद उपलब्ध कराने के लक्ष्य को आसानी से पूरा किया जा सकेगा।

ओपीडी की बत्ती गुल, टॉर्च जलाकर देखे गए मरीज

प्रयागराज। मानसून की पहली बारिश में ही शहर की बिजली व्यवस्था पटरी से उतर गई। मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन) में बुधवार को ओपीडी के समय बत्ती गुल रही। ऐसे में चिकित्सकों को मोबाइल का टॉर्च जलाकर मरीज देखना पड़ा। अस्पताल में सुबह से बिजली का आना–जाना लगा हुआ था। दोपहर करीब एक बजे बिजली जाने के बाद जनरेटर चालू करने में 20 मिनट की देरी हो गई। ऐसे में ओपीडी में मौजूद डॉक्टरों ने मोबाइल का टॉर्च जलाकर मरीज देखे। वहीं, बारिश की वजह से अस्पताल की छत का प्लास्टर भी सीलन की वजह से झड़ने लगा। पुराने इमरजेंसी पुरुष वार्ड की छत से प्लास्टर झड़ने की वजह से मरीजों को परेशानी हुई। कई मरीजों के बेड को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। इसके अलावा कूलर व पंखे की पर्याप्त व्यवस्था न होने की वजह से मरीजों को दिक्कत हुई। पुराने इमरजेंसी महिला व पुरुष वार्ड में कूलर गलत दिशा में लगाए गए हैं। इसके अलावा दोनों वार्ड के दो कूलर व तीन पंखे खराब हैं।

मेरे बेड की तरफ हवा बिल्कुल नहीं आती है। पैर में प्लास्टर व सिर पर पट्टी है, इसकी वजह से गर्मी लगती है। घर का पंखा भी नहीं लाने देते हैं। साजिद उस्मानी, कौशाम्बी

पैर टूटा हुआ है। तीन दिन से भर्ती हूं। पंखा–कूलर का पता नहीं। अब तो छत की सीमेंट भी बेड पर गिर रहा है। – आरिफ, दोंदीपुर

कहां कूलर है और कहां पंखा है, कुछ पता नहीं। दिनभर गर्मी में रहना पड़ता है। – राम नारायण केसरवानी, झलवा

दोनों पंखा और कूलर खराब हैं। दिन भर गर्मी में गुजारना पड़ता है। – बाबू जी, करमा बाजार

डिग्री कॉलेज और सोसाइटी में उपजे विवाद की जांच मंडलायुक्त के हवाले

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल स्थित एसएम डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य और श्याम सुंदर मेमोरियल कॉलेज सोसाइटी के बीच भूमि के हस्तांतरण को लेकर लंबे समय से चल रही खींचतान की जांच मुरादाबाद के मंडलायुक्त को सौंपी है। कोर्ट ने 15 जुलाई तक रिपोर्ट पेश कर यह बताने का आदेश दिया है कि विवाद के कारण विद्यालय के शैक्षणिक माहौल पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने श्याम सुंदर मेमोरियल कॉलेज सोसाइटी की याचिका पर दिया है। याचिका में संभल डीएम के दो अप्रैल 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें सोसाइटी की जमीन के अनधिकृत हस्तांतरण के आरोप लगाए गए हैं। कोर्ट ने एसएम डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य को प्रतिवादी के रूप में जोड़ने की इजाजत दी है। साथ ही मंडलायुक्त को निर्देश दिया है कि वे विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन, कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य, शिक्षक, छात्राओं और सोसाइटी के सदस्यों का पक्ष सुनें। साथ ही, सभी लंबित और निस्तारित मुकदमों का गहन परीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करें कि संस्थान के हित में विवाद का स्थायी समाधान कैसे हो। कोर्ट ने जांच रिपोर्ट 14 जुलाई तक हर हाल में पेश करने का आदेश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई नियत की है।

डेहरी तक पानी... बढ़ी परेशानी

प्रयागराज। मानसून ने दस्तक दे दी है। मंगलवार को हुई झमाझम बारिश ने मानसून का एहसास तो कराया लेकिन नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी। पहली ही बारिश में आधे शहर में जलभराव हो गया। कई मोहल्लों में लोगों के घरों की डेहरी तक पानी पहुंच गया। इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई। जीटी रोड समेत कई प्रमुख मार्गों पर बारिश का पानी जमा रहा। करीब डेढ़ घंटे की बारिश में ही आधा शहर लबालब हो गया। नाले ओवरफ्लो हो गए। बारिश रुकने के एक घंटे बाद नाले का पानी निकल तो गया मगर सड़क व गलियों में सिल्ट छोड़ गया। कीचड़ व दुर्गंध से लोग रातभर परेशान रहे।

योगी सरकार का दावा, 9 साल में 62 लाख परिवारों को पक्का घर, 79 लाख किसानों को फसल बीमा का लाभ

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दावा किया है कि वर्ष 2017 में प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है। सरकार का कहना है कि 2017 से पहले राजनीतिक कारणों से केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी संचालन में बाधाएं डाली जाती थीं और मिलते–जुलते नामों से योजनाएं चलाकर लोगों को भ्रमित किया जाता था। गुरुवार को जारी सरकारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2014 से 2017 के बीच पूर्ववर्ती सरकार 50 हजार आवास भी नहीं बनवा सकी थी। सरकार का आरोप है कि उस समय केंद्र को लाभार्थियों की सूची भेजने और राज्यांश जारी करने में भी देरी की गई। जबकि 2017 के बाद पिछले नौ वर्षों में प्रदेश के 62 लाख से अधिक परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर सरकार ने दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले केवल लगभग तीन प्रतिशत किसानों का ही बीमा हो पाया था। वहीं पिछले नौ वर्षों में 79 लाख से अधिक किसानों को 6,283 करोड़ रुपये से अधिक का बीमा भुगतान किया जा चुका है।

सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि मार्च 2017 तक उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वच्छता का दायरा केवल 35 प्रतिशत था और राज्य का कोई भी जिला खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित नहीं हुआ था। सरकार के मुताबिक 2017 के बाद 3. 31 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया गया और उत्तर प्रदेश को शत–प्रतिशत ओडीएफ राज्य घोषित किया गया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के संबंध में सरकार ने दावा किया कि पूर्ववर्ती सरकार के समय बड़ी संख्या में परिवार पहला सिलेंडर खत्म होने के बाद दूसरा सिलेंडर नहीं भरवा पा रहे थे। जबकि योगी सरकार के कार्यकाल में पिछले नौ वर्षों में 1.86 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा अब होली और दीपावली पर लाभार्थियों को दो मुफ्त गैस सिलेंडर रिफिल भी दिए जा रहे हैं।

एल.डी.सी. पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा अभियान, '5E' फॉर्मूले से 550 छात्रों को यातायात नियमों की दी जानकारी

प्रयागराज। एल.डी.सी. पब्लिक स्कूल, सोराम में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष श्सड़क सुरक्षा अभियानश का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 550 छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सुरक्षित यातायात के नियमों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ट्रैफिक इंस्पेक्टर मनोज कुमार सिंह, ट्रैफिक इंस्पेक्टर पवन कुमार पांडेय एवं सामाजिक कार्यकर्ता नीतीश शुक्ला रहे। विद्यालय के चेयरमैन विवेक गुप्ता, डायरेक्टर पूजा गुप्ता, प्रिंसिपल डॉ. सुधांशु द्विवेदी, को–अकादमिक कोऑर्डिनेटर दिव्यांशु प्रताप सिंह तथा एडमिन हेड शशांक सिंह ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

अपने संबोधन में ट्रैफिक इंस्पेक्टर पवन कुमार पांडेय ने सड़क सुरक्षा के श5म्श फॉर्मूलेकृम्कनबंजपवद, म्दवितबमउमदज, म्दहपदममतपदह, म्उमतहमदबल ब्ंतम और म्अंसनंजपवदकृकी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात संकेतों का सम्मान करने की अपील की। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने सरल एवं व्यवहारिक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। समापन अवसर पर डायरेक्टर पूजा गुप्ता एवं प्रिंसिपल डॉ. सुधांशु द्विवेदी ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। अंत में प्रिंसिपल डॉ. सुधांशु द्विवेदी ने अतिथियों, शिक्षकों, यातायात विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, अभिभावकों तथा विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं, यातायात विभाग के कर्मचारियों, अभिभावकों एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

यूपी में 125 डिप्टी एसपी के तबादले, प्रमोटेड अफसरों को मिली नई तैनाती

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी सरकार के गृह विभाग ने गुरुवार को प्रदेश पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए 125 डिप्टी पुलिस अधीक्षकों (डीएसपी) के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। तबादला सूची में अधिकांश वे अधिकारी शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में निरीक्षक (इंस्पेक्टर) से पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर पदोन्नत किया गया था।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 4820262027 — दिनांक : 29.06.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा दो पैकेट प्रणाली के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 22.07.2026 की तिथि को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं. : 1	निविदा सं.: 113	अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 119217000.00
कार्य का विवरण: [illegible]		
बयाने की रकम (₹): ₹ 2384300.00	कार्य समापन की अवधि : 12 माह	
निविदा खुलने की तिथि : 22.07.2026		
समान कार्य के लिए पात्रता मानदण्ड: सप्लाई ऑफ मशीन क्रस्ड स्टोन बैलास्ट/मशीन क्रस्ड कोर्स स्टोन एग्रीगेट्स।		

नोट:- 1. [illegible] ... www.ireps.gov.in ... 22.07.2026 ... [illegible]

1492/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

महुआ मोइत्रा पर अंडे फेंके जाने की घटना पर अखिलेश यादव का हमला, बोले, भाजपा बना रही राजनीतिक हिंसा का माहौल

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कथित रूप से अंडे फेंके जाने की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए भाजपा पर राजनीतिक हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया और न्यायपालिका तथा लोकसभा अध्यक्ष से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की। बताया गया है कि महुआ मोइत्रा को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के दौरे के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान उन पर अंडे फेंके गए और उनके खिलाफ नारेबाजी की गई। लोकसभा में 37 सांसदों वाली समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा अपने शासन वाले राज्यों में सत्ता का दुरुपयोग कर रही है और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का विषैला वातावरण तैयार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस का राजनीतिकरण किया जा रहा है और लोकतांत्रिक विरोध की मर्यादाओं को तोड़ा जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस तरह का नकारात्मक और हिंसक व्यवहार पूरे देश में नाराजगी और आक्रोश पैदा कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता भी इस प्रकार की घटनाओं से असहज हैं, क्योंकि भविष्य में ऐसी घटनाएं उनके खिलाफ भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि बड़े नेता तो सुरक्षा घेरे में रहते हैं, लेकिन आम कार्यकर्ताओं को जनता के बीच ऐसे माहौल का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने न्यायपालिका और लोकसभा अध्यक्ष से मामले का स्वतः संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की। इस संबंध में उन्होंने घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया।

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा का आरोप है कि नादिया जिले के कालीगंज क्षेत्र के पलाशी में पार्टी विधायक अलीफा अहमद के आवास पर आयोजित बैठक में शामिल होने के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने वापस जाओ और चोर के नारे लगाए तथा उन पर अंडे फेंके।महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। उनका आरोप है कि उन पर किया गया हमला सुनियोजित था और इसके पीछे भाजपा कार्यकर्ताओं की भूमिका है।

राजधानी पहुंचा मानसून, सुबह से रिमझिम बरसात, उमसभरी गर्मी से मिली राहत

लखनऊ (संवाददाता)। मानसून आज गुरुवार सुबर लखनऊ पहुंच आया। तड़के से रिमझिम बरसात हो रही है। इससे मौसम ठंडा हो गया है। इसी के साथ उमस और तपन से राहत मिल गई है। इस बीच मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहेगा। विभाग की तरफ से बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। दिन में कई बार बारिश की संभावना भी जताई गई है। बुधवार को अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 1.1 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 82 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 61 फीसदी दर्ज की गई है। लखनऊ में मौसम विभाग ने 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने मध्यम से भारी बारिश का अनुमान जताया है। वहीं, लखनऊ में 1 जुलाई को दिन में कुल 4.5 मिलीमीटर बारिश हुई है। जबकि 1 जून से 1 जुलाई तक लखनऊ में कुल बरसात 23 मिलीमीटर हुई है। इस दौरान सामान्य बारिश का औसत 94.6 मिली मीटर है। इसके कारण 76 फीसदी कम बरसात हुई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून आने के बाद फिलहाल लगातार बारिश की संभावना है। इस बीच तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई है। लेकिन, मानसून के दौरान इस बार राजधानी लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में सामान्य से कम बारिश की संभावना है। इसके कारण जल संसाधनों पर असर पड़ेगा।

हथियार तस्करी गैंग के 4 सदस्य गिरफ्तार,जेल से छूटे बदमाश ने बनाया गैंग

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी एसटीएफ ने अंतरराज्यीय अवैध हथियार और कारतूस की तस्करी करने वाले गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो सेमी ऑटोमेटिक .32 बोर पिस्टल, चार मैगजीन, 50 जिंदा कारतूस, सात खोखा, एक होंडा सिटी कार, मोबाइल व नकदी बरामद हुई है। एसटीएफ के अनुसार, पिछले कई दिनों से गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिल रही थी। अपर पुलिस अध ीक्षक अमित कुमार नागर के निर्देश पर इंस्पेक्टर दिलीप कुमार तिवारी अपनी टीम के साथ तलाश में जुटे थे। इस दौरान सूचना के आधार पर 4 आरोपियों को गाजीपुर थाना क्षेत्र में कल्याण अपार्टमेंट तिराहे से समता मूलक चौराहा जाने वाले बंधा मार्ग पर बुधवार रात करीब 11.50 बजे घेराबंदी कर होंडा सिटी कार से पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बीबीडी निवासी संदेश प्रताप सिंह उर्फ राज, गोमतीनगर निवासी विवेक प्रजापति, चिनहट निवासी नितिन कुंडी और प्रिंस गुप्ता उर्फ सल्लू भाई के रूप में हुई है। पूछताछ में मुख्य आरोपी नितिन कुंडी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर अवैध हथियार और कारतूस की खरीद–फरोख्त करता है। इससे पहले वह सिंथेटिक ड्रग्स और ऑर्गेनिक गांजा (ओजी) की तस्करी में भी शामिल रहा है। करीब दो साल पहले पुलिस मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी थी। जेल से छूटने के बाद विरोधी गैंग से बदला लेने, रंगदारी वसूली और ड्रग्स के कारोबार के लिए हथियार खरीदने के दौरान उसने इस धंधे में कदम रखा। उसके खिलाफ चिनहट थाने में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और जिला बदर की कार्रवाई भी हो चुकी है। आरोपी संदेश प्रताप सिंह ने पूछताछ में बताया कि वह एक रियल एस्टेट कंपनी में पार्टनर है। जमीन कब्जा और रंगदारी के मामलों में लोगों में दहशत बनाने के लिए अवैध हथियारों का इस्तेमाल करता था। आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्हें अवैध हथियार गोरखपुर निवासी अभिषेक उर्फ अभि उपलब्ध ा कराता था। वे एक पिस्टल करीब 25 हजार रुपए में खरीदकर 50 से 60 हजार रुपए में बेचते थे, जबकि .32 बोर का कारतूस 300–350 रुपए में खरीदकर 400 से 500 रुपए में बेचते थे। पूछताछ में आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि वे रंगदारी वसूली और जमीनों पर अवैध कब्जा कराने का काम करते हैं। यह गतिविधियां बाबू सिंह माफिया के संरक्षण में चल रही थी। बरामद होंडा सिटी कार का इस्तेमाल हथियारों की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में किया जाता था। एसटीएफ ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

मोहक लाल गुलाब

मोहक लाल गुलाब में, समाविष्ट मधुशक्ति।
आध्यात्मिक आनन्द की, है पावन अभिव्यक्ति।
है पावन अभिव्यक्ति, सौम्य परिवर्तनकारी।
दुराग्रहों पर नित्य, पड़ रही है जो भारी।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रेम का बनकर द्योतक।
रंगों का संसार, बसाती है यह मोहक।

पावन फूल गुलाब में, निहित आंतरिक ज्ञान।
आत्मशक्ति का कर रहा,आध्यात्मिक उत्थान।
आध्यात्मिक उत्थान, प्रेम को परिभाषित कर।
उर्जित करे विचार, हृदय में खुशबु भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, खत्म कर सारे अनबन।
हरि चरणों में बैठ, सभी कुछ करता पावन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

तिनसुकिया गोलाघाट की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की जून महीने की काव्य गोष्ठी आंनलाइन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी की अध्यक्षता में धूमधाम से संपन्न

हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती राधा बिनानी, एवं विशिष्ट अतिथि अर्चना जायसवाल सरताज रही। सर्वप्रथम मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा किया गया.. सरस्वती वंदना मीना नागौरी जी द्वारा प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी ने अपनी सुंदर–सुंदर प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रस्तुति देने वाली बहने भगवती बिहानी, मीना नागौरी, रंजना बिनानी, पूनम अग्रवाल, सीमा सिंघी रही। कार्यक्रम संयोजक सरला बजाज द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

अनुप्रिया ने कार्यकर्ता को चांदी का मुकुट पहनाया

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में अनुप्रिया पटेल ने पिता सोनेलाल पटेल की तस्वीर पर फूल चढ़ाए। इस दौरान उनके पति मंत्री आशीष पटेल कुर्सी पर बैठे रहे। अनुप्रिया ने मंच पर धनुष बाण उठाया। कार्यकर्ता को चांदी का मुकुट पहनाया गया। गुरुवार को अपना दल (एस) के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती के दौरान यह सीन दिखा। दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल नेताओं–कार्यकर्ताओं के साथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचीं। उन्होंने सोनेलाल पटेल की जयंती को श्जन स्वाभिमान दिवसश के रूप में मनाया। लखनऊ में प्रदेशभर से पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। पार्टी इसे अपने संगठनात्मक और राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रही है। कार्यक्रम में अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल सहित पार्टी के कई नेता मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: CEN-2026-27-05 — दिनांक: 30.06.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी0)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 21.07.2026 के समय 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा सं.: CEN-2026-27-01	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 21.65 Cr. (Approx.)
कार्य का विवरण: लेवल क्रॉसिंग नंबर 415B (शंकरगढ़ यार्ड) पर सीमित ऊंचाई वाले सबवे का निर्माण और उससे जुड़े अन्य कार्य।	
बोली प्रतिभूति (रू): ₹ 43,29,200/-	कार्य समापन की अवधि: 15 माह
निविदा बंद करने की तिथि एवं समय: 21.07.2026 15:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि: 21.07.2026 15:30 बजे	
निविदा का प्रकार: ओपेन टेण्डर (दो पैकेट प्रणाली)	

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15.00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 21.07.2026 तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act- 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। [illegible] www.ireps.gov.in [illegible] 21.07.2026 [illegible]

1493/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.......

शिवसेना में विभाजन: रणनीतिक निर्णय तय करेंगे भविष्य

26 जून को, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यू.बी.टी.) के भीतर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक दरार तब उभरी, जब उसके 9 लोकसभा सांसदों में से 6 ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ शिवसेना गुट में शामिल होने के लिए पाला बदल लिया। इससे लोकसभा में उनकी संख्या केवल 3 रह गई और शिंदे गुट की संसदीय ताकत मजबूत हो गई है। अपने 60 वर्षों में, शिवसेना 5 बार विभाजित हो चुकी है, जो आंतरिक विभाजनों के प्रति इसकी भेद्यता और इस तरह के संघर्षों के प्रभावी प्रबंधन की आवश्यकता को उजागर करता है। 2003 में पार्टी संस्थापक बाल ठाकरे द्वारा अपने बेटे उद्धव को सेना का कार्यकारी अध्यक्ष नामित करने से ठीक पहले, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनके लिए एक प्रमुख संगठनात्मक भूमिका की मांग शुरू कर दी थी। बाद में, उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे की सेना में पदोन्नति ने भी इसी तरह का रास्ता अपनाया, जहां पार्टी नेताओं ने उन्हें युवा सेना प्रमुख नियुक्त किए जाने से पहले 'अगली पीढ़ी' के चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया। 28 नवंबर, 2019 को, शिवसेना के नेता और महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 21 जून, 2022 को, विधानसभा में शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे कई अन्य विधायकों के साथ लापता हो गए। इस 'बागी' समूह ने पहले सूरत और फिर गुवाहाटी का रुख किया, यह दावा करते हुए कि एम.वी.ए. गठबंधन शिवसेना की विचारधारा के विपरीत है और मुख्यमंत्री ठाकरे में विश्वास की कमी व्यक्त की। 2022 के विभाजन के बाद, 56 में से 40 शिवसेना विधायक शिंदे के साथ हो गए। लोकसभा में, 18 में से 13 सांसद शिंदे खेमे में शामिल हो गए, जिससे उद्धव के पास केवल 5 सांसद बचे। दोनों गुट बाल ठाकरे की राजनीतिक विरासत के सही उत्तराधिकारी होने का दावा करते हैं, जिसमें उद्धव अपने रक्त संबंध पर जोर देते हैं और शिंदे का तर्क है कि वह पार्टी की वैचारिक नींव को बनाए रखते हैं। शिवसेना यू.बी.टी. में नवीनतम विभाजन ठाकरे परिवार के भविष्य पर महत्वपूर्ण सवाल उठाता है। यह कई तरह से सामने आ सकता है—बागी नेताओं के बीच ठाकरे के नेतृत्व से असंतोष के कारण असहमति बढ़ रही है। उनका मानना है कि उन्होंने उनके साथ पर्याप्त जुड़ाव नहीं रखा, विशेष रूप से समर्थन के अनुरोधों के बावजूद उनके निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा न करके। विभाजन के बाद की चुनौतियों से निपटने और उद्धव गुट के अस्तित्व और पुनरुत्थान को सुनिश्चित करने के लिए, कई रणनीतिक कार्यों पर विचार किया जा सकता है रू

शिकायतों को हल करने और समर्थकों के बीच एकता और विश्वास को बहाल करने की तत्काल आवश्यकता है। यदि गुट विभाजन और बदलती जनभावनाओं को स्वीकार करने में विफल रहता है, तो वे भविष्य में अपना प्रभाव खोने का जोखिम उठाते हैं। विश्वसनीय और संबंधित नेताओं का समर्थन आत्मविश्वास को प्रेरित, नए समर्थकों को आकर्षित कर सकता है और मौजूदा आधार को ऊर्जावान बना सकता है। रोजगार, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने से समर्थकों को सशक्त बनाया और उनका समर्थन हासिल किया जा सकता है। स्थानीय मुद्दों को संबोधित करने वाली आऊटरीच पहल और अभियान विश्वास और सांझा उद्देश्य की भावना को बढ़ावा दे सकते हैं। सांस्कृतिक विरासत का लाभ उठाना और सामाजिक गतिविधियों में संलग्न होना क्षेत्रीय पहचान और जनता के बीच सद्भावना को मजबूत कर सकता है। बदलती राजनीतिक भावनाओं और युवा पीढ़ी की अपेक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होना प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस अवधि के दौरान आंतरिक सामंजस्य को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। आंतरिक संघर्षों को तेजी से हल करना और एक समावेशी वातावरण बनाना समर्थकों के बीच आशा और जिम्मेदारी की सांझी भावना को प्रेरित कर सकता है, जिससे पार्टी की एकता और लचीलापन मजबूत होगा।इन रणनीतियों को लागू करके, उद्धव गुट जीवित रह सकता है और महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से प्रभाव हासिल कर सकता है। कोई भी गुट चुनावी रूप से आत्मनिर्भर नहीं है—शिंदे भाजपा की मशीनरी पर निर्भर है, जबकि उद्धव एम.वी.ए. के संयुक्त वोट शेयर पर। इसलिए, आगामी विधानसभा चुनाव इस बात की असली परीक्षा होगी कि शिवसेना का कौन—सा गुट जीवित रहता है। अंततरू, परिणाम काफी हद तक उनके रणनीतिक निर्णयों और महाराष्ट्र के उभरते राजनीतिक परिदृश्य के प्रति प्रतिक्रिया करने की उनकी क्षमता पर निर्भर करता है। उनके द्वारा किए गए चुनाव ठाकरे परिवार और पार्टी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

भारतीय स्टेट बैंक: राष्ट्र निर्माण की बैंकिंग यात्रा

अरुण डनायक

1 जुलाई भारतीय बैंकिंग इतिहास की एक महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन वर्ष 1955 में इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का राष्ट्रीयकरण कर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की स्थापना की गई थी। आज यह केवल भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ही नहीं, बल्कि देश के आर्थिक, सामाजिक और ग्रामीण विकास का एक सशक्त आधार स्तंभ भी है। एसबीआई की जड़ें ब्रिटिश काल तक जाती हैं। उन्नीसवीं शताब्दी में स्थापित तीन प्रेसीडेंसी बैंककृबैंक ऑफ बंगाल (1809), बैंक ऑफ बॉम्बे (1840) और बैंक ऑफ मद्रास (1843) कृका 1921 में विलय कर इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया बनाया गया। उस समय यह देश का सबसे प्रभावशाली बैंक था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना से पूर्व, इंपीरियल बैंक को सरकार का बैंकर होने के साथ—साथ मुद्रा नोट जारी करने का अधिकार प्राप्त था और बैंकों का बैंक तथा क्लियरिंग हाउस जैसी केंद्रीय बैंकिंग सेवाएं भी प्रदान करता था। हालांकि इंपीरियल बैंक की कुछ गंभीर सीमाएं थीं। उसके प्रबंधन और पूंजी पर विदेशी हितों का प्रभाव था, ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी पहुंच अत्यंत सीमित थी तथा भारतीय व्यापारियों और किसानों की आवश्यकताओं के प्रति उसका दृष्टिकोण पर्याप्त संवेदनशील नहीं माना जाता था। विशेष रूप से ग्रामीण ऋण व्यवस्था के विकास में उसकी भूमिका संतोषजनक नहीं थी।

1951 में गठित अखिल भारतीय ग्रामीण ऋण सर्वेक्षण समिति ने अपनी रिपोर्ट में बैंकिंग सुविधाओं को गांवों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। समिति की सिफारिशों के आधार पर भारत सरकार ने इंपीरियल बैंक का राष्ट्रीयकरण करने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप 1 जुलाई 1955 को भारतीय स्टेट बैंक अस्तित्व में आया। एसबीआई की स्थापना केवल एक बैंक के निर्माण की घटना नहीं थी, बल्कि यह स्वतंत्र भारत की विकास दृष्टि का महत्वपूर्ण हिस्सा थी। इसके सामने अनेक राष्ट्रीय दायित्व रखे गए। इसका उद्देश्य ग्रामीण और अर्ध—शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करना, कृषि और सहकारी क्षेत्र को वित्तीय सहायता देना, लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करना, बचत की आदत विकसित करना तथा देश में सस्ती और विश्वसनीय प्रेषण सेवाएं उपलब्ध कराना था। स्थापना के समय एसबीआई को पांच वर्षों में ग्रामीण और अर्ध—शहरी क्षेत्रों में 400 नई शाखाएं खोलने का लक्ष्य दिया गया था, जिसे उसने निर्धारित समय से पहले ही पूरा कर लिया। इसके बाद भी ग्रामीण विस्तार बैंक की प्रमुख प्राथमिकता बना रहा। किसानों को प्रत्यक्ष कृषि ऋण, सहकारी बैंकों को रियायती वित्तीय सहायता, कृषि विपणन समितियों को सहयोग, भूमि विकास बैंकों में निवेश तथा कृषि उपज के विरुद्ध ऋण जैसी पहलों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई शक्ति प्रदान की। 1968 में बैंक ने कृषि क्षेत्र के लिए व्यापक नीतियां लागू कीं और बाद में श्क्षेत्रीय दृष्टिकोणश, श्ग्राम गोद लेने की योजनाश तथा श्कृषि विकास शाखाओंश जैसी नवाचारी पहलों के माध्यम से ग्रामीण बैंकिंग को नई दिशा दी। इन विशेष शाखाओं के तकनीकी विशेषज्ञ सीधे गांवों तक पहुंचकर किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराते थे। लघु और कुटीर उद्योगों के विकास में भी एसबीआई ने अग्रणी भूमिका निभाई। 1956 से विशेष सहायता योजनाओं के माध्यम से उद्यमियों को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया गया। बाद में श्क्रेडिट गारंटी योजनाश तथा शकिस्त योजनाश जैसी पहलों ने छोटे उद्योगों के लिए वित्तीय संसाधनों तक पहुंच को सरल बनाया। समाज के कमजोर वर्गों, शिल्पकारों, छोटे दुकानदारों तथा स्वरोजगार से जुड़े लोगों को रियायती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराना भी बैंक की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल रहा। विदेशी मुद्रा कारोबार और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में भी एसबीआई ने उल्लेखनीय प्रगति की। वैश्विक वित्तीय केंद्रों में अपनी उपस्थिति के माध्यम से उसने भारतीय बैंकिंग की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया तथा अनिवासी भारतीयों, निर्यातकों, आयातकों और विदेश जाने वाले भारतीयों को विविध बैंकिंग सेवाएं प्रदान कीं। समय के साथ एसबीआई ने स्वयं को बदलती तकनीक के अनुरूप ढाला। कंप्यूटरीकरण से लेकर डिजिटल बैंकिंग युग तक बैंक ने निरंतर नवाचार अपनाए। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, योनो प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड, सामान्य बीमा, क्रेडिट कार्ड तथा अन्य डिजिटल भुगतान सेवाओं के माध्यम से एसबीआई आज करोड़ों ग्राहकों को आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान कर रहा है। अपनी सात दशक की विकास यात्रा में एसबीआई को नागरवाला प्रकरण, प्रतिभूति घोटाले, आपातकालीन दौर के दबाव, श्रमिक असंतोष तथा बढ़ती प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। किंतु प्रशासनिक सुधारों, तकनीकी आधुनिकीकरण, बेहतर जोखिम प्रबंधन और ग्राहक—केंद्रित सेवाओं के माध्यम से बैंक ने स्वयं को लगातार सुदृढ़ किया और अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। एसबीआई के इतिहास में कई निष्ठावान और समर्पित चेयरमैन हुए पर आर. के. तलवार का नाम सर्वाधिक सम्मानित चेयरमैनों में लिया जाता है। उन्होंने ईमानदारी, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को सुदृढ़ किया तथा अपने नेतृत्व, आदर्श आचरण और दूरदृष्टि से बैंककर्मियों की पीढ़ियों को प्रेरित किया। ग्रामीण भारत की सेवा के उद्देश्य से स्थापित एसबीआई आज विश्व के अग्रणी बैंकों में गिना जाता है। 31 मार्च 2026 तक इसके कुल जमा 59.76 लाख करोड़ रुपये, ऋण एवं अग्रिम 49.33 लाख करोड़ रुपये तथा शुद्ध लाभ 80,032 करोड़ रुपये रहा। देश की बैंकिंग प्रणाली में जमा और ऋण वितरण में इसकी हिस्सेदारी क्रमशरू 22.46 प्रतिशत और 20.19 प्रतिशत है, जबकि सकल एनपीए मात्र 1.49 प्रतिशत है। एसबीआई के लगभग 52.93 करोड़ ग्राहक, 22,500 से अधिक शाखाएं, 63,000 से अधिक एटीएम तथा 36 देशों में 241 विदेशी कार्यालय हैं। मार्च 2026 तक बैंक में 2.45 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत थे। वर्ष 2025—26 में एसबीआई ने वित्तीय उपलब्धियों के साथ अनेक प्रतिष्ठित सम्मान भी अर्जित किए। ग्लोबल फाइनेंस ने उसे बेस्ट बैंक इन इंडिया 2025 तथा बेस्ट ट्रेड फाइनेंस बैंक इन इंडिया 2026 चुना, जबकि इकानॉमिक टाइम्स ह्यूमन कैपिटल अवॉर्ड्स 2026 में उसे चार स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुए। अपने कर्मचारियों की विविध प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक ने वर्ष 2025 में एसबीआई स्टार अवार्ड की स्थापना की। इसके अंतर्गत कला, साहित्य, खेलकूद तथा सामाजिक योगदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाता है। यह पहल दर्शाती है कि एसबीआई अपने कर्मचारियों को केवल बैंककर्मी नहीं, बल्कि समाज के सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक के रूप में भी देखता है। भारतीय स्टेट बैंक का स्थापना दिवस केवल एक वित्तीय संस्था का उत्सव नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा का उत्सव भी है। प्रेसीडेंसी बैंकों और इंपीरियल बैंक से लेकर आधुनिक डिजिटल एसबीआई तक की यह कहानी बताती है ।

सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ अखबार दिखाने लगे हैं हिम्मत

अनिल जैन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अब तक के 12 साल के शासन में ऐसा पहली बार हो रहा है कि उनकी सरकार और उसकी भारतीय जनता पार्टी के लोगों से जुड़े भ्रष्ट कारनामों की खबरें उन अखबारों में छप रही हैं, जिन्होंने अब तक ऐसी खबरें छापने से परहेज बरत रखा था। किसी भी दिन का अखबार खोलिए तो भाजपा नेताओं के घोटालों की खबरें दिखेंगी। अखबारों के रवैये में अचानक आया यह बदलाव हैरान करने वाला है। हालांकि टेलीविजन चौनल अभी सरकार के श्अनुशासित बच्चेश बने हुए हैं। भ्रष्टाचार की जो खबरें अखबारों में प्रमुखता से छप रही हैं, उनका जिक्र टीवी चौनलों पर नदारद है। टीवी चौनल अगर दिखा भी रहे हैं तो अखबारों में छप रही खबरों पर सरकार और भाजपा के नेताओं की वे प्रतिक्रियाएं जिनमें भ्रष्टाचार की खबरों को गलत बताया जा रहा है। मोदी ने 2013 में पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बनने के बाद देशव्यापी दौरा करते अपना जो प्रचार अभियान छेड़ा था, उसका केंद्रीय मुद्दा कांग्रेस के नेतृत्व वाली तत्कालीन यूपीए सरकार का कथित भ्रष्टाचार ही था। मोदी ए टू जेड घोटालों की चर्चा करते हुए कहते थे कि, श्कांग्रेस के राज में आकाश से लेकर पाताल तक घोटाले हुए हैं।श उसी दौरान उन्होंने यह लोक—लुभावन जुमला भी उछाला था— श्न खाऊंगा और न खाने दूंगा।श प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने इस वायदे को दोहराया। यह अलग बात है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार से जरा भी अछूती नहीं रही। शायद ही कोई मंत्रालय ऐसा रहा हो जिसके किसी भी काम में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार नहीं हुआ हो। कई मामले तो प्रधानमंत्री की नाक के नीचे हुए और कई मामलों को अंजाम देने में खुद मोदी की अहम भूमिका रही। भाजपा शासित राज्य सरकारों का भी यही हाल रहा। मगर मोदी ने सत्ता में आते ही ऐसा इंतजाम कर दिया था कि मीडिया में भाजपा सरकारों के भ्रष्टाचार का जिक्र न हो। सो, मीडिया ने भ्रष्टाचार ने न सिर्फ सरकार के भ्रष्टाचार की ओर से मुंह फेर लिया बल्कि वह सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगने पर सरकार का बचाव भी करने लगा। कॉरपोरेट घरानों के नियंत्रण मुक्त जिन छोटे मीडिया समूहों ने सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर भी किया तो सरकार ने अपनी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर उनका मुंह बंद करने की कोशिश की। इस काम में सरकार को कुछ हद तक न्यायपालिका का भी सहयोग मिला। बहरहाल अभी तो पिछले कुछ दिनों से जिधर देखो उधर से हजारों करोड़ रुपये के घोटालों की खबरें आ रही हैं। खास बात यह है कि सभी खबरें भाजपा शासित राज्यों से आ रही हैं और सभी के केंद्र में भाजपा और आरएसएस के बड़े नाम हैं। हैरानी की बात यह भी है कि अखबारों में जो मामले आ रहे हैं उनमें साफ—साफ दिख रहा है कि बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है लेकिन मोदी ने एक भी मामले में अपना मुंह नहीं खोला है। व्यक्ति का चरित्र निर्माण करने का दावा करने वाले संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत भी घोटालों में अपने वरिष्ठ स्वयंसेवकों के नाम आने पर खामोश बने हुए हैं। इस समय जो घोटाले सबसे ज्यादा चर्चा में हैं, उनमें एक अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला है और दूसरा मध्य प्रदेश के उज्जैन में मुख्यमंत्री मोहन भागवत के परिवारजनों द्वारा बड़े पैमाने पर जमीन खरीदने का मामला है। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में कितने करोड़ रुपये का चढ़ावा चोरी हुआ, इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन 200 करोड़ रुपये की नकदी और सोने के कुछ आभूषण बरामद होने की खबर आई है। चोरी का आंकड़ा आठ करोड़ से लेकर कई सौ करोड़ रुपए तक का है। हीरे—जवाहरात जड़ी रामशिलाएं, चांदी की दो सौ से ज्यादा ईंटें और चांदी का कागभुसुंडी गायब होने की खबरें भी है। मंदिर निर्माण के समय भी जमीनों की खरीद और निर्माण सामग्री में भारी पैमाने पर गड़बड़ी होने की खबरें आ रही हैं। करीब एक महीने पहले जब पहली बार मंदिर का चढ़ावा चोरी होने की खबर आई थी तब मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों और भाजपा प्रवक्ताओं ने इन खबरों को सनातन को बदनाम और रामभक्तों की आस्था का अपमान करने की साजिश करार देते हुए खबरों को खारिज करने की कोशिश की थी, लेकिन उनका पैंतरा काम नहीं आया, क्योंकि एक के बाद एक सबूत सामने आते गए और यह साबित हो गया कि बड़े पैमाने पर चोरी हुई है और उसके तार बड़े लोगों से जुड़े हुए हैं। कई सारे सबूत और गवाह सामने आने के बाद जब मामले को दबाना असंभव हो गया तो राज्य सरकार को भी मजबूरी में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने पर मजबूर होना पड़ा। इस सिलसिले में राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय का अपने पद से इस्तीफा देने, मामले में मुकदमा दर्ज होने और आठ लोगों की गिरफ्तारी के साथ ही इस बात की पुष्टि हो गई कि राम मंदिर में करोड़ों रुपये की चढ़ावा चोरी हुई है। यह मंदिर की पवित्रता को कलंकित करने वाला ऐसा कांड है, जिससे करोड़ों हिंदू श्रद्धालु खुद को ठगा गया महसूस कर रहे हैं। चढ़ावे में हेरा—फेरी को केवल वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं माना जा सकता, बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं के साथ साथ घोर विश्वासघात भी है। उधर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके परिवार की जमीन खरीद का मामला अलग तूल पकड़ रहा है। भाजपा नेताओं की यह दलील काम नहीं आ रही है कि मुख्यमंत्री का परिवार पहले से रियल इस्टेट के कारोबार में है या कांग्रेस के भी कई नेता रियल इस्टेट के कारोबारी हैं। पूछा जा रहा है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद मोहन यादव और उनके परिजनों ने 168 एकड़ जमीन उन्हीं इलाकों में कैसे खरीदी, जिन इलाकों में सरकारी विकास की बड़ी परियोजनाएं आने वाली थीं या आने वाली हैं, हाईवे बनने वाले थे या लैंड यूज बदला जाना था? ऐसा नहीं है कि मध्य प्रदेश के पत्रकारों को यह सब जानकारी नहीं थी लेकिन मध्य प्रदेश में यह रवायत बन चुकी है कि मुख्यमंत्री कोई भी हो, वह पद से हटने तक मध्य प्रदेश के अखबारों के लिए यशस्वी और कर्मठ ही होता है। इसलिए मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवारजनों का जमीनें खरीदने का मामला दिल्ली से प्रकाशित इंडियन एक्सप्रेस में छपा है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के अलावा हरियाणा, गुजरात, बिहार, दिल्ली कोई भी राज्य अछूता नहीं है। हरियाणा इन दिनों आईडीएफसी बैंक घोटाले में फंसा हुआ है। आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल गिरफ्तार हुए हैं। आरोप है कि 170 करोड़ रुपए का सरकारी फंड आईडीएफसी बैंक में ट्रांसफर किया गया और वहां से पैसे फर्जी खातों के जरिए निकाल लिए गए। राजधानी दिल्ली में सेंट्रल प्रोक्योरमेंट कमेटी में साढ़े छह सौ करोड़ रुपए के घोटाले की जांच शुरू हुई है। मेडिकल उपकरण खरीदने में यह घोटाला हुआ है। राजेश एक्सपोर्ट का 15 लाख करोड़ रुपए का फर्जी काराबोर दिखाकर किए गए घोटाले की जांच भी अब शुरू हो गई है। बिहार में रिशु श्री घोटाला चल रहा है। कई आईएएस अधिकारी इसमें फंसे हैं। दो आईएएस अधिकारियों के यहां छापे पड़े हैं, जिनको निलंबित किया गया है और एक अधिकारी फरार है। गिरफ्तार रिशु श्री के मोबाइल से सरकार के गोपनीय दस्तावेज मिल रहे हैं। कैबिनेट नोटिंग्स मिल रही है। मंजूरी से पहले ही कैबिनेट की फाइल उसके यहां पहुंचे होने की जानकारी आ रही है। वह हजारों करोड़ रुपए के टेंडर मैनेज करता था। नीतीश कुमार की सरकार के समय बहुत अहम मंत्रालयों में रहे आईएएस अधिकारी उसके लिए काम करते थे। मंत्रियों की मिली—भगत का खुलासा भी अभी होना है। इन सबके अलावा केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी को खीरे की खेती के लिए अपने ही मंत्रालय से 99 लाख रुपये की सब्सिडी मिलने का मामला भी मीडिया के जरिये ही उजागर हुआ है। जो भी हो, सरकारों के भ्रष्टाचार को लेकर अखबारों के रवैये में आया बदलाव देश में बदल रहे राजनीतिक वातावरण का संकेत हैं। देखने वाली बात होगी कि सरकार अखबारों के इस रवैये को कब तक बर्दाश्त करती है।

आओ विकास करें: ग्रामीण पलायन का बहुआयामी प्रभाव - एक राष्ट्र के अंत:करण का विवेचन

देश में हर दूसरा ग्रामीण रोजगार की तलाश में अपने गांव से दूर रहने को विवश है। राष्ट्रीय सर्वेक्षण का यह निष्कर्ष केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे में आ रहे गहरे बदलाव का संकेत है। जब लगभग 55.50 प्रतिशत ग्रामीणों के पास अपने गांव में आजीविका का साधन नहीं है और 41.74 प्रतिशत लोग प्रतिदिन 200 रुपये से भी कम आय पर जीवनयापन कर रहे हैं, तब यह केवल गरीबी का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, सामाजिक न्याय और संवैधानिक दायित्व का प्रश्न बन जाता है।

26 राज्यों के 213 जिलों की 400 ग्राम पंचायतों में 7,790 लोगों पर आधारित यह सर्वेक्षण बताता है कि ग्रामीण पलायन स्वेच्छा नहीं, बल्कि मजबूरी है। इसका प्रभाव केवल गांवों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ता है।

ग्रामीण पलायन का सबसे बड़ा असर कृषि और खाद्य सुरक्षा पर दिखाई देता है। जब युवा वर्ग खेती छोड़कर शहरों की ओर जा रहा है, तब कृषि उत्पादन और आत्मनिर्भरता दोनों प्रभावित होती हैं। गांव खाली होते जा रहे हैं, जबकि शहरों पर जनसंख्या का असंतुलित दबाव बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप आवास, स्वास्थ्य, पेयजल, यातायात और स्वच्छता जैसी मूलभूत सेवाओं पर संकट गहराता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह स्थिति भारत की विकास यात्रा पर प्रश्नचिह्न लगाती है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में गरीबी उन्मूलन, सम्मानजनक रोजगार और असमानता में कमी प्रमुख उद्देश्य हैं। यदि देश की आधी से अधिक ग्रामीण आबादी जीविका के लिए पलायन को मजबूर है, तो वैश्विक मंचों पर भारत की विकास गाथा कमजोर पड़ती है। सामाजिक असमानता विदेशी निवेश और आर्थिक विश्वास को भी प्रभावित करती है।

महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज आत्मनिर्भर गांवों की परिकल्पना पर आधारित था। आज जब गांव रोजगार देने में असमर्थ हैं, तो यह गांधीवादी विचारधारा के लिए गंभीर चुनौती है। अंत्योदय का सिद्धांत अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की बात करता है, लेकिन जब बड़ी आबादी सम्मानजनक रोजगार से वंचित है, तब यह स्पष्ट है कि विकास का लाभ समान रूप से नहीं पहुंच पाया है।

सामाजिक दृष्टि से पलायन परिवारों को बिखेर रहा है। पुरुष रोजगार के लिए शहरों में चले जाते हैं, जबकि महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग गांवों में रह जाते हैं। महिलाओं पर खेती और परिवार दोनों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है और बुजुर्ग अकेलेपन का सामना करते हैं। संयुक्त परिवार और सामुदायिक जीवन की परंपरा धीरे—धीरे कमजोर पड़ रही है।

आर्थिक रूप से भी यह स्थिति चिंताजनक है। गांवों की क्रय शक्ति घटने से स्थानीय बाजार कमजोर होते हैं। शहरों में श्रमिकों की अधिकता के कारण मजदूरी दरें कम बनी रहती हैं और असंगठित क्षेत्र का विस्तार होता है। इससे गरीबी और असमानता का दुष्चक्र मजबूत होता है।

पर्यावरणीय और भौगोलिक कारण भी पलायन को बढ़ा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, भूजल स्तर में गिरावट, अनियमित वर्षा और खेती की बढ़ती लागत ने ग्रामीण जीवन को कठिन बना दिया है। इसके साथ ही गांवों से पारंपरिक ज्ञान, लोक संस्कृति और जैव विविधता भी धीरे—धीरे समाप्त होती जा रही है।

मनोवैज्ञानिक स्तर पर प्रवासी श्रमिक पहचान के संकट, अकेलेपन, तनाव और अवसाद से जूझते हैं। कोविड—19 महामारी के दौरान लाखों श्रमिकों का पैदल अपने गांव लौटना इस पीड़ा का सबसे बड़ा उदाहरण था। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय त्रासदी भी थी।

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी गांवों का खाली होना चिंता का विषय है। ग्राम देवताओं की परंपरा, लोक मेले, त्योहार और सामुदायिक संस्कार गांवों की आत्मा हैं। यदि गांव ही कमजोर पड़ेंगे तो भारत की सांस्कृतिक विरासत भी प्रभावित होगी।

संवैधानिक दृष्टि से यह स्थिति नीति—निर्देशक तत्वों की भावना पर भी प्रश्न उठाती है। संविधान प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने की अपेक्षा करता है। यदि रोजगार के अभाव में लोग अपने घर—परिवार से दूर जाने को विवश हैं, तो यह नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी को दर्शाता है।

ग्रामीण पलायन का सबसे अधिक दुष्प्रभाव भूमिहीन मजदूरों, दिहाड़ी श्रमिकों और वंचित समुदायों पर पड़ता है। शहरों में उन्हें असुरक्षित कार्य, कम मजदूरी और शोषण का सामना करना पड़ता है। ऐसे में विकास की वास्तविक कसौटी यही है कि गांवों में ही सम्मानजनक रोजगार, कृषि आधारित उद्योग, कौशल विकास, स्थानीय बाजार और सामाजिक सुरक्षा के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

अंततः, गांव का उजड़ना केवल जनसंख्या का स्थानांतरण नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के मूल स्रोत का कमजोर होना है। यदि ग्राम विकास को राष्ट्रीय विकास का आधार नहीं बनाया गया, तो आर्थिक प्रगति का ढांचा टिकाऊ नहीं रह सकेगा। समय की मांग है कि नीति निर्माण में गांवों को केंद्र में रखा जाए, ताकि पलायन मजबूरी नहीं, बल्कि केवल विकल्प बनकर रह जाए। तभी समृद्ध, संतुलित और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सकेगा।

लेखकः डॉ. दीपक गोस्वामी
मानवीय व्यवहार वैज्ञानिक, लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर, प्रशिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता

मुझे कहा जाता था ज्यादा क्लीवेज और बैक दिखाओ, मेरे टैलेंट से ज्यादा ग्लैमर की मांग थी- जीनत अमान ने बताया इंडस्ट्री का कड़वा सच

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जीनत अमान आज भी उतनी ही खूबसूरत दिखती हैं, जितनी अपने समय में दिखती थीं। बॉलीवुड की गलियों में जीनत की खूबसूरती के चर्चे हुए करते थे। हर कोई व्यक्ति जीनत की खूबसूरती और अदाकारी का दीवाना था। हाल ही में जीनत अमान ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि जैसी इंडस्ट्री आप लोगों को बाहर से दिखती है, वैसी अंदर से बिल्कुल नहीं है। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में हर समय उनसे सिर्फ क्लीवेज दिखाने की डिमांड की जाती थी। हाल ही में हुए यूट्यूब में एक इंटरव्यू के दौरान जीनत में अपने करियर जीवन से जुड़ी कुछ हैरान कर देने वाली बातें बताई हैं। जीनत ने खुलासा किया कि जैसी मैं टीवी में दिखती हूँ, असल में मैं उससे बहुत अलग हूं। उन्होंने बताया कि हमेशा से मेरे साथ सेक्स सिंबल का टैग जुड़ा रहा। जो मुझसे मिलता था, वो यही कहता था कि जैसा हमने सोचा था आप उससे बिल्कुल अलग हो। इसे के साथ जीनत ने बताया कि किसी को भी इस बात से दिलचस्पी नहीं थी मैं कैसी हूं, मेरा काम कैसा है। इंडस्ट्री के लोगो को बस मुझसे मेरा डांस। गाना और बारिश में भीगने वाले सीन ही चाहिए थे। मेरे निर्माता हमेशा से मुझसे बस ग्लैमर की ही उम्मीद करते थे। मुझसे हर बार बस यही डिमांड की जाती थी कि ज्यादा क्लीवेज दिखाऊ और बैक एक्सपोज करूं। 1970 और 1980 के दशक जीनत अमान का नाम बॉलीवुड की बेस्ट एक्ट्रेस में से एक था। इससे पहले 1970 में उन्होंने मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल का खिताब अपने नाम किया था। जीनत अमान ने इंडस्ट्री को बहुत सी हिट फिल्में दी जैसे कि सत्यम शिवम सुंदरम, डॉन, यादों की बारात, हरे रामा हरे कृष्णा, कुर्बानी। अगर उनके काम की बात की जाए तो वो जल्द ही फिल्म बन टिक्की में दिखाई देंगी। उनके साथ शबाना आजमी भी मुख्य किरदार निभाएंगी।

> हाल ही में जीनत अमान ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि जैसी इंडस्ट्री आप लोगों को बाहर से दिखती है, वैसी अंदर से बिल्कुल नहीं है। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में हर समय उनसे सिर्फ क्लीवेज दिखाने की डिमांड की जाती थी।

बुलेट ट्रेन के एक्शन एक्सपर्ट जेसन नोविएलो ने ऐल्फा के लिए आलिया भट्ट और शर्वरी को दी खास ट्रेनिंग

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर ऐल्फा को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म के हाई–ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए हॉलीवुड के प्रसिद्ध एक्शन ट्रेनर और स्टंट विशेषज्ञ जेसन नोविएलो को टीम से जोड़ा गया। जेसन ने फिल्म की मुख्य अभिनेत्रियों आलिया भट्ट और शर्वरी को विशेष एक्शन और फिजिकल ट्रेनिंग देकर चुनौतीपूर्ण दृश्यों के लिए तैयार किया। जेसन नोविएलो मार्शल आर्ट्स, स्टंट परफॉर्मेंस और एक्शन कंसल्टिंग की दुनिया का एक जाना–पहचाना नाम हैं। चार दशकों से अधिक के अनुभव के साथ वह कई बार के विश्व चैंपियन मार्शल आर्टिस्ट रह चुके हैं और विभिन्न मार्शल आर्ट्स विधाओं में ब्लैक बेल्ट हासिल कर चुके हैं। उन्होंने जॉन विक, फ्रॉम द वर्ल्ड्स ऑफ जॉन विक बैलेरीना और बुलेट ट्रेन जैसी चर्चित हॉलीवुड फिल्मों में अपनी विशेषज्ञता का योगदान दिया है। सटीक, प्रभावशाली और सिनेमाई अंदाज में एक्शन प्रस्तुत करने की उनकी शैली को दुनियाभर में सराहा जाता है। फिल्म ऐल्फा के लिए जेसन नोविएलो ने लंबे समय तक आलिया भट्ट और शर्वरी के साथ काम किया। उन्होंने दोनों अभिनेत्रियों की शारीरिक तैयारी, स्टैमिना, फाइट कोरियोग्राफी और एक्शन परफॉर्मेंस पर विशेष ध्यान दिया। बताया जा रहा है कि फिल्म के बड़े पैमाने पर फिल्माए गए एक्शन सीक्वेंस को प्रभावशाली बनाने के लिए दोनों अभिनेत्रियों ने कई सप्ताह तक कड़ी ट्रेनिंग और रिहर्सल की। आदित्य चोपड़ा के निर्माण और द रेलवे मेन के निर्देशक शिव रवैल के निर्देशन में बनी ऐल्फा इस शुक्रवार, 3 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में दमदार एक्शन, रोमांचक कहानी और बड़े स्तर की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। हॉलीवुड के अनुभवी एक्शन विशेषज्ञ जेसन नोविएलो की मौजूदगी ने फिल्म के एक्शन को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

तलाक की खबरों के बीच पहली बार बोलें गौरव खन्ना- मैं हमेशा आकांक्षा को सपोर्ट करूंगा ...मेरी बीवी है यार

हाल ही में अनुपमा फेम गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा ने नेटफ्लिक्स शो 'लॉक अप' में सबसे सामने खुलासा किया था कि वो और गौरव जल्द ही तलाक लेने वाले हैं। इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया कि दोनों पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं। फैंस का यह यकीन करना मुश्किल हो रहा है कि ये सब सच है या फेम पाने के लिए सब कुछ किया जा रहा है। इन्ही सब बातों के बीच अब पहली बार गौरव खन्ना ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में गौरव खन्ना को लाफ्टर शेफ्स 3 के सेट पर देखा गया। इस दौरान जब पैपराजी ने पूछा कि गौरव जी क्या हाल है आपका ? तो गौरव ने अपने तलाक में बारे में कुछ नहीं बोला नहीं लेकिन उनकी बातों से ये साफ–साफ दिखाई दे रहा था कि अभी भी गौरव के मन में आकांक्षा के लिए सॉफ्ट कार्नर है। गौरव ने बोला कि बस यार, वहीं जो पहले था वही हाल अभी है। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है। मैं हमेशा सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं ? इसी के साथ आकांक्षा का साथ देते हुए उन्होंने कहा– ऑल द वेरी बेस्ट आकांक्षा, पूरी लाइफ तुम्हारे साथ खड़ा हूं।लॉक अप शो के पहले दिन आकांक्षा ने सबके सामने कहा कि मैं पर गौरव तलाक लेने वाले हैं और पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं। पिछले एक वर्ष से उन्होंने इस बात को किसी के भी सामने पब्लिक नहीं किया था। इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया कि दोनों के बीच किसी तरह की परेशानी नहीं है लेकिन एक पार्टनर के तौर पर हम दोनों एक–दूसरे के सही नहीं है। रही बात प्रोफेशनल काम की तो हम दोनों हमेशा एक–दूसरे का सपोर्ट करते रहेंगे। हालांकि गौरव और आकांक्षा में से किसी ने भी अपना अलग होने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। वहीं जब गौरव से भी इस बारे में ज्यादा सवाल किया गया तो वो टालकर निकल गए।

विजय के फैंस के लिए खुशखबरी, 'जन नायकन' की रिलीज पर सामने आई नई अपडेट

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय की लंबे समय से प्रतीक्षित फिल्म जन नायकन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, साल की शुरुआत में रिलीज होने वाली फिल्म आधा साल बीत जाने के बाद भी अब तक रिलीज नहीं हो सकी है। लेकिन अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि फिल्म जुलाई के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। ऐसी अटकलें हैं कि इस हफ्ते सेंसर से मंजूरी मिल सकती है। खबर है कि फिल्म निर्माता इस महीने के आखिर में रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जबकि फिल्म के सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया के जल्द ही आगे बढ़ने की उम्मीद है। 'जन नायकन' साल की शुरुआत में 9 जनवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया लंबित होने के कारण इसमें लगभग छह महीने की देरी हुई। सीबीएफसी से मंजूरी मिलने में हुई देरी के कारण प्रशंसक थिएटर में रिलीज की योजना के बारे में अपडेट का इंतजार कर रहे थे। अब इंडस्ट्री की ताजा खबरों के अनुसार, श्जन नायकनश को इस हफ्ते सीबीएफसी सर्टिफिकेट मिलने की उम्मीद है। तमिल सर्टिफिकेशन के बाद तेलुगु और हिंदी सेंसरशिप प्रक्रियाएं भी होने की उम्मीद है। खबर है कि फिल्म को मंजूरी मिलते ही विदेशी और क्षेत्रीय वितरकों के साथ बातचीत शुरू हो जाएगी। खबरों के मुताबिक, मेकर्स अभी 16 जुलाई को रिलीज की तारीख के तौर पर देख रहे हैं। अगर ऐसा नहीं हो पाता है, तो 23 जुलाई को अगला ऑप्शन माना जा रहा है। 31 जुलाई पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि यह अभी पक्का नहीं है क्योंकि उसी दिन विजय के बेटे जेसन संजय की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म सिग्मा रिलीज होने वाली है। हालांकि, कई छोटी और मीडियम बजट वाली फिल्मों ने 16 जुलाई और 23 जुलाई को अपनी रिलीज की तारीख तय कर ली है और उनके लिए प्रमोशन भी शुरू कर दिया है। अगर श्जन नायकनश के मेकर्स इस बात पर ध्यान दें, तो वे 7 अगस्त की तारीख चुन सकते हैं, क्योंकि अभी वह स्लॉट खाली है। सर्टिफिकेशन और रिलीज की तारीख के बारे में अभी भी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

पिता रवि किशन के लिए भावुक हुई बेटी रीवा, लिखा-आप ही मेरे सबसे सच्चे साथी हैं

भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन की बेटी और अभिनेत्री रीवा किशन ने सोशल मीडिया पर अपने पिता के लिए एक बेहद भावुक संदेश लिखा है। हाल ही में दोनों को रियलिटी शो द अलायंस में एक साथ देखा गया था। इस शो से पिता के जाने के बाद रीवा ने उनके प्रति अपना प्यार और सम्मान जाहिर किया है। रीवा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर उनके बचपन की है, जिसमें वह अपने पिता रवि किशन की गोद में बैठकर मुस्कुरा रही हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर हाल ही की है, जिसमें पिता–बेटी की जोड़ी एक साथ बेहद खुश नजर आ रही है। इन तस्वीरों के साथ रीवा ने पिता रवि किशन के लिए एक भावुक संदेश भी लिखा है। रीवा ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, भले ही आपने रियलिटी शो द अलायंस शो छोड़ दिया हो, लेकिन हमारा रिश्ता उस पल से अटूट है, जब आपने मुझे पहली बार गोद में लिया था। रीवा ने आगे लिखा, श्आपने हमेशा मेरी रक्षा की, मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे ढेर सारा प्यार दिया। आप मेरे सबसे सच्चे साथी हैं और इस जिंदगी में मुझे सिर्फ आपके ही साथ की जरूरत है। रियलिटी शो श्द अलायंसश में मेरे साथ वक्त बिताने के लिए शुक्रिया। मैं आपके और महादेव के लिए हमेशा अपना बेस्ट देने का वादा करती हूं। रवि किशन रियलिटी शो द अलायंस में करीब एक हफ्ता रहे। जब वह शो से विदा हुए, तो बाकी प्रतियोगी भी भावुक हो गए। शो छोड़ने की वजह बताते हुए रवि किशन ने कहा, आप सभी ने मुझे बहुत प्यार और सम्मान दिया। रीवा जानती है कि आज तक किसी ने मेरे आंसू नहीं देखे। मैं यहां जिस काम के लिए आया था, वह मैंने पूरा किया। अब मुझे अपने कर्तव्य के लिए वापस जाना होगा, क्योंकि जनता ने मुझे वोट देकर चुना है। मैं वापस गोरखपुर जा रहा हूं और वहीं रहता हूं। रवि किशन आज सिनेमा जगत का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने 1990 के दशक में आतंक, आर्मी और जख्मी दिल जैसी हिंदी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी। बॉलीवुड में काम करने के बाद उन्हें असली पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली। सैयां हमार और पंडित जी बताई ना ब्याह कब होई जैसी सुपरहिट फिल्मों ने उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री का सबसे बड़ा स्टार बना दिया। पिछले कुछ साल में रवि किशन ने वेब सीरीज और हिंदी फिल्मों में भी कमाल का काम किया है। फिल्म लापता लेडीज और वेब सीरीज खाकी द बिहार चैप्टर में उनके अभिनय की लोगों और आलोचकों ने जमकर तारीफ की है। अब जल्द ही रवि किशन द मिर्जापुर मूवी में नजर आएंगे।

नवजात शिशु को नहलाते समय रखें इन बातों का ध्यान, नहीं लगेगा डर

जब कोई महिला पहली बार मां बनती है तो अपने बच्चे के पालन–पोषण को लेकर उसके मन में कई तरह के सवाल होते हैं। अपने बच्चे की हर छोटी–बड़ी जरूरत का ध्यान रखते हुए उसे संभालकर रखना उसके लिए सबसे मुश्किल काम होता है। ऐसे ही मुश्किल कामों में बच्चे को नहलाना भी शामिल होता है। जिसे करने में ज्यादातर नई माएं बेहद संकोच महसूस करती हैं। खासकर पहली बार ऐसा करने वाली मां को यह लगता है कि कहीं नहलाते समय उसका बच्चा उसके हाथ से न फिसल जाए, या फिर जोर से पकड़ने पर उसे दर्द न हो। अगर आप भी खुद को ऐसी ही एक मां समझती हैं, जिसे अपने बच्चे को नहालते समय बेहद डर लगता है तो ये टिप्स आपके मन से इस डर को निकालने में मदद कर सकता है।

जरूरी चीजें एक जगह रखें–

बच्चे को नहलाने से पहले ही जरूरत की सभी चीजें एक जगह लाकर रख दें। ताकि इन चीजों की जरूरत पड़ने पर आपको बार–बार उठना–बैठना ना पड़ें।

गुनगुना पानी करें यूज–

बच्चे को नहलाना शुरू करने से पहले ही उसके लिए पानी बाल्टी में गुनगुना पानी भरकर रख दें। ध्यान रखें, बच्चे को नहलाने के लिए ज्यादा गर्म या ठंडा पानी यूज नहीं करना चाहिए, इससे बच्चे को नुकसान पहुंचा सकता है।

पकड़ने का तरीका–

बच्चे को नहलाने के लिए सही तरीका अपनाएं। ऐसा न करने पर पानी बच्चे के शरीर के नाजुक हिस्सों में जाकर उसे नुकसान पहुंचा सकता है। बच्चे को नहलाते समय सबसे पहले उसे अपने घुटने पर रखते हुए उसका चेहरा साफ करें। इसके बाद, उसके बालों को सादे पानी से धोने के बाद उसकी नैपी उतारें।

दोनों हाथों का इस्तेमाल करें–

बच्चे को नहलाने के लिए अपने एक हाथ से सपोर्ट और दूसरे हाथ से क्लीनिंग करें।

बच्चे को नहलाते समय उसके सिर और कंधों को भी सहारा दें। ध्यान रखें, इस समय आप जितने धैर्य से काम लेंगी आपका काम उतने ही आराम से होगा।

झाड़ू लगाते हुए ये गलतियां करने पर मां लक्ष्मी हो जाती है नाराज, बर्बादी की ओर चला जाता है परिवार

भारतीय घर में हर दिन झाड़ू से साफ–सफाई की जाती है, ये तो सामान्य बात है लेकिन क्या आपको पता है कि झाड़ू से जुड़े नियम भी हैं जिसका अगर सही तरीके से पालन ना किया जाए तो मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं, आप कंगाल भी हो सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं झाड़ू लगाने के समय, रखने का स्थान और तरीके के बारे में विस्तार से....

इस वक्त न लगाएं झाड़ू

वास्तु शास्त्र के नियमों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर जा रहा हो तो उस वक्त भूलकर भी झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करना शिष्टाचार और वास्तु नियमों, दोनों के लिहाज से गलत माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी का अपमान होता है और साथ ही घर से बाहर निकल रहे व्यक्ति के कपड़े गंदे होने से उसका मूड बिगड़ जाता है, जिससे उसका बनता हुआ काम बिगड़ जाता है।

खाना खाते वक्त न करें ये काम

वास्तु के नियमों के मुताबिक अगर कोई खाना बना रहा हो या खा रहा हो तो भी झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करने से धूल के कण खाने में गिर सकते हैं। इस तरह का आचरण शिष्टाचार के खिलाफ माना जाता है और इससे मां अन्नपूर्णा का अपमान होता है।

नहाकर निकले व्यक्ति के सामने ना लगाएं झाड़ू

अगर कोई व्यक्ति नहाकर निकले तो उस समय भी झाड़ू लगाने से बचना चाहिए। इसका खामियाजा जीवन में संकटों के रूप में भुगतना पड़ता है।

इस जगह पर भूलकर भी ना रखें कूड़ा

वास्तु शास्त्र के हिसाब से झाड़ू लगाने के बाद निकले कूड़े को कभी भी उसे घर के दरवाजे के पास नहीं रखना चाहिए और न ही वहां डस्टबिन रखनी चाहिए। माना जाता है कि मुख्य द्वार के जरिए लक्ष्मी और देवी–देवताओं का घर में आगमन होता है। ऐसे में अगर हम मुख्य द्वार पर ही कूड़े का ढेर लगाते हैं तो इससे देवी–देवता क्रोधित हो जाते हैं। इससे परिवार पर आर्थिक संकट भी घिर जाता है।

बिना बीमार पड़े लें बारिश का आनंद

मानसून का महीना बैक्टीरिया के पनपने के लिए सबसे अच्छा होता है। चारों तरफ फैली नमी वायरस और बैक्टीरिया के लिए बिल्कुल परफेक्ट माहौल बना देती है। जिसकी वजह से काफी सारे इफेक्शन वाली बीमारियों का खतरा हो जाता है। पानी से फैलने वाली बीमारी तो कभी ठंड और गर्मी से सर्दी–जुकाम होने का डर बना रहता है। खासतौर पर बच्चों के लिए ये मौसम काफी नाजुक होता है। इसलिए उनकी बारिश के मौसम में ठीक से देखभाल करनी चाहिए। पानी में पनपने वाले मच्छर और कीड़े भी डेंगू, मलेरिया फैला देते हैं। ऐसे में जरूरी है अपने बच्चे की सेहत का इस तरह से बचाव करें।

पानी और नमी वाली जगह पर ना जाने दें

अपने बच्चे को ऐसी जगह पर ना जाने दें। जहां नमी हो या फिर पानी रुका हो। ज्यादा पानी वाली जगह बैक्टीरिया का घर हो सकती है। जहां पर मच्छरों के काटने का भी ज्यादा डर होता है। साथ ही ऐसी जगहों पर खुले ड्रेन और मेनहोल होते हैं। जो पानी भरने की वजह से दिखते नही है। इसलिए बच्चों को पानी भरने वाले पार्क और गली में खेलने के लिए बिल्कुल भी ना जाने दें।

बच्चे के फुटवियर का रखें ध्यान

बच्चों के लिए मानसून के मौसम में पहनने के लिए ऐसे शूज दें। जो कि उनके पैरों को अच्छी तरह से ढंककर रखें। और साथ ही उनमे हवा भी पहुंचे। जिससे कि पैरों में होने वाली नमी और पसीना सूखता रहे। बच्चों को ऐसा फुटवियर पहनाएं जो फिसले नहीं और फिसलन वाली जगह पर आराम से वो चल सकें।

मच्छरों से करें बचाव

बारिश के मौसम में जरा सा पानी लगते ही उनमे डेंगू और मलेरिया वाले मच्छर पनपने लगते हैं। इसलिए बच्चों को बच्चों के काटने से बचाएं। मॉस्किटो रेपेलेंट का इस्तेमाल करें। बच्चों के शरीर पर बाहर निकलने पर मॉस्किटो भगाने वाली क्रीम लगाकर रखें। उन्हें फुल बाजुओं वाला कपड़ा पहनाएं और घर में भी जालीदार खिड़की और दलवाजे लगाएं। जिससे कि मच्छरों को घर में घुसने से रोका जा सके।

साफ–सफाई का ध्यान रखें

बारिश के मौमस में बच्चों को साफ–सफाई और हाईजीन का ख्याल रखना सिखाना जरूरी है। बच्चों को हाथ धोना सिखाना, जिससे बच्चों के मुंह में बैक्टीरिया ना जाएं।

हल्दी वाले दूध को लेकर ना करना ये गलती, नहीं तो फायदे से ज्यादा होगा नुकसान

भारतीय घरों में सर्दियों के मौसम में हल्दी वाला दूध पीने का रिवाज रहा है। बुजुर्गों से लेकर छोटे बच्चों तक, सभी को सोने से पहले हल्दी और दूध का यह गर्म और सेहतमंद मिश्रण पिलाया जाता है। दूध, हल्दी, काली मिर्च, अदरक और दालचीनी से बना हल्दी वाला दूध सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है और सर्दियों के लिए एक बेहतरीन ड्रिंक है। इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो ठंड के मौसम में सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं।

हल्दी वाला दूध पीने से मिलते हैं ये फायदे

यह सर्दी–जुकाम और फ्लू से लड़ने में मदद करता है और खासकर बुजुर्गों के लिए गठिया, जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की तकलीफ जैसी समस्याओं को संभालने में फायदेमंद है। जानकारों का यह भी कहना है कि यह गले की खराश को ठीक करता है और अच्छी नींद लाने में मदद करता है। लेकिन हल्दी वाला दूध पीते समय बहुत से भारतीय एक आम गलती करते हैंरू इसे सोने से ठीक पहले पीना। हेल्थ एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि आखिरी बार खाना खाने और सोने के बीच कम से कम एक से दो घंटे का अंतर रखना चाहिए।

सोने से तुरंत पहले दूध पीने का होता है नुकसान

एक गिलास हल्दी वाला दूध कैलोरी से भरपूर होता है और पाचन तंत्र को बिगाड़ सकता है। इसे पीने के तुरंत बाद सोने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टर कहते हैं–ष्हल्दी में करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और यह पाचन और आराम में मदद करता है। हालांकि सोने से ठीक पहले खासकर भारी भोजन के बाद इसे पीना सही नहीं हो सकता है। करक्यूमिन पित्त (इपसम) के उत्पादन को बढ़ा सकता है, जिससे कुछ लोगों को लेटने पर बेचौनी या एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है।ष डॉक्टर कहते हैं–दूध एक भारी भोजन है और इसे पचाने के लिए अच्छी पाचन क्रिया की जरूरत होती है, जो रात में स्वाभाविक रूप से धीमी हो जाती है। लेटने से ठीक पहले इसका सेवन करने से पेट फूलना, एसिडिटी या एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है, खासकर उन लोगों में जिनका पेट संवेदनशील है या जिन्हें ळम्त्क या गैस्ट्राइटिस की समस्या है।ष

हल्दी वाला दूध पीने का सही तरीका

हल्दी वाला दूध पीने के मामले में ज्यादा कैलोरी लेना एक और बड़ी बात है जिसे बहुत से भारतीय नजरअंदाज कर देते हैं। खाने के तुरंत बाद हल्दी वाला दूध पीने से शरीर में फालतू कैलोरी बढ़ सकती है और पाचन पर असर पड़ सकता है। कैलोरी के अलावा, रात के खाने के बाद दूध पीने से पेट फूलने की समस्या हो सकती है क्योंकि आप शरीर की जरूरत से ज्यादा खाना खा रहे होते हैं। इसलिए, अगर दूध पीना ही है, तो इसे रात के खाने से पहले पीना सबसे अच्छा है, इससे आप कम खाना खाएंगे क्योंकि दूध से आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा।

ज्यादा चीनी भी देती है नुकसान

बहुत ज्यादा हल्दी, फुल–फैट दूध या ऊपर से चीनी मिलाने से आपकी पसंदीदा विंटर ड्रिंक की सेहत से जुड़ी खूबियां कम हो जाती हैं। इसमें कितनी मात्रा में चीजें ली जा रही हैं और उनकी क्वालिटी कैसी है, यह बहुत जरूरी है। रात के खाने के कम से कम एक–दो घंटे बाद, गर्म और कम फैट वाले हल्दी वाले दूध का एक छोटा कप पीना सबसे अच्छा रहता है। बस थोड़ी सी हल्दी का इस्तेमाल करने और चीनी न डालने से यह सोने से पहले पीने के लिए एक संतुलित ड्रिंक बन जाती है, जो पाचन पर बिना बोझ डाले पोषण देती है। जिन लोगों को एसिडिटी या भारीपन महसूस होता है, वे बेहतर आराम के लिए कम फैट वाले या प्लांट–बेस्ड दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सुबह उठते ही नहीं आती एनर्जी, तो आज से शुरू करें इस हेल्दी स्नैक का सेवन

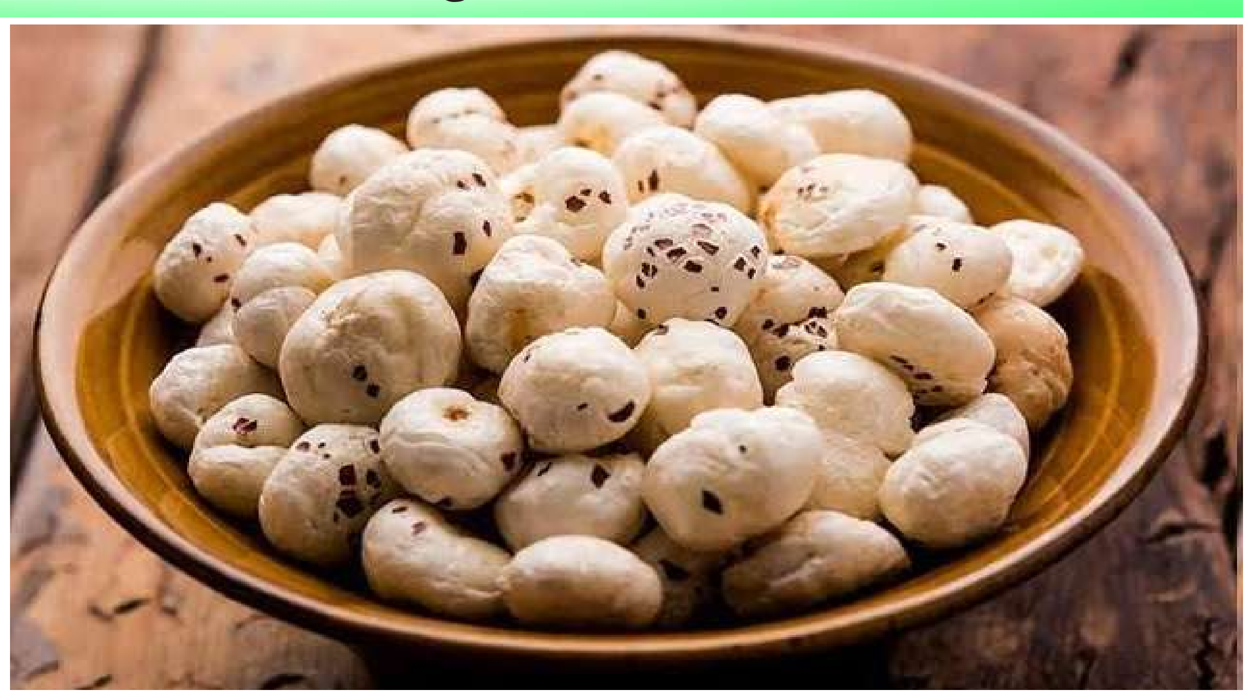

अगर रातभर अच्छी नींद लेने के बावजूद सुबह उठते ही शरीर में थकान, कमजोरी या आलस महसूस होता है, तो इसकी वजह केवल तनाव या नींद की कमी ही नहीं हो सकती। कई बार हमारी खराब खानपान की आदतें और पोषण की कमी भी इसकी जिम्मेदार होती हैं। ऐसे में विशेषज्ञ मानते हैं कि डाइट में कुछ छोटे लेकिन सही बदलाव आपकी सेहत पर बड़ा असर डाल सकते हैं। डाइट एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुबह के समय मखाना खाना एक हेल्दी आदत साबित हो सकती है। यह हल्का होने के साथ–साथ कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो शरीर को ऊर्जा देने, लंबे समय तक पेट भरा रखने और ओवरऑल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

क्यों खास है मखाना

मखाना आज हेल्दी स्नैक के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसमें कैलोरी कम होती है, जबकि प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने से लेकर दिल और पाचन तंत्र की देखभाल तक, इसे संतुलित आहार का अच्छा हिस्सा माना जाता है।

मखाने में मौजूद पोषक तत्व क्यों हैं जरूरी

मखाने में मौजूद प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों की मरम्मत करने और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है। इसमें पाया जाने वाला डाइटरी फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक हो सकता है। इसके अलावा मखाने में मौजूद कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट शरीर को धीरे–धीरे ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे अचानक थकान या कमजोरी महसूस नहीं होती। कैल्शियम हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है, जबकि मैग्नीशियम और पोटैशियम दिल और मांसपेशियों के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी माने जाते हैं। इसके एंटीऑक्सीडेंट शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। एक और खास बात यह है कि मखाना प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन–फ्री होता है और इसमें फैट व सोडियम भी कम मात्रा में होते हैं, इसलिए यह हेल्दी स्नैक के तौर पर बेहतर विकल्प माना जाता है।

सुबह मखाना खाने से दिनभर बनी रह सकती है एनर्जी

सुबह के समय मखाना खाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे शरीर को धीरे–धीरे और लगातार ऊर्जा मिलती रहती है। इसमें मौजूद कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाने के बजाय धीरे–धीरे ग्लूकोज रिलीज करते हैं। इससे एनर्जी लंबे समय तक बनी रहती है और बार–बार थकान महसूस होने की संभावना कम हो जाती है। जो लोग ऑफिस में लंबे समय तक काम करते हैं, पढ़ाई करते हैं या दिनभर सक्रिय रहते हैं, उनके लिए मखाना सुबह का एक अच्छा स्नैक हो सकता है।

वजन घटाने में भी हो सकता है मददगार

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो सुबह की डाइट में भुना हुआ मखाना शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। इसमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार–बार कुछ खाने की इच्छा कम हो सकती है। इस वजह से अनहेल्दी स्नैक्स खाने की आदत पर भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। हालांकि, बेहतर परिणाम के लिए इसे संतुलित आहार और नियमित शारीरिक गतिविधि के साथ ही शामिल करना चाहिए।

पाचन तंत्र को रख सकता है बेहतर

स्वस्थ पाचन अच्छी सेहत की बुनियाद माना जाता है। मखाने में मौजूद फाइबर भोजन को पचाने में मदद करता है और मल त्याग को नियमित बनाए रखने में सहायक होता है। नियमित रूप से सीमित मात्रा में मखाना खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी सामान्य समस्याओं में भी राहत मिल सकती है।

दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद

मखाने में मौजूद पोटैशियम शरीर में सोडियम के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने में सहायता मिल सकती है। वहीं मैग्नीशियम हृदय की सामान्य धड़कन और रक्त वाहिकाओं के बेहतर कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा इसमें सैचुरेटेड फैट और सोडियम की मात्रा कम होती है, इसलिए इसे दिल के लिए अपेक्षाकृत बेहतर स्नैक विकल्प माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में भी मदद कर सकते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक

कैल्शियम से भरपूर होने के कारण मखाना हड्डियों और दांतों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। बढ़ती उम्र में, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए, कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन काफी महत्वपूर्ण होता है। मखाने में मौजूद मैग्नीशियम और फॉस्फोरस भी हड्डियों की मजबूती बनाए रखने में योगदान देते हैं। हालांकि, इसे कैल्शियम के अन्य प्रमुख स्रोतों का विकल्प नहीं बल्कि उनके साथ एक अतिरिक्त पौष्टिक भोजन के रूप में शामिल करना चाहिए। मखाने में फ्लेवोनॉइड्स जैसे प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। इससे बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने, सूजन घटाने और त्वचा की सेहत बनाए रखने में भी सहायता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, एंटीऑक्सीडेंट युक्त खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन कई पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने में भी मददगार हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मखाना दिन में किसी भी समय खाया जा सकता है, लेकिन सुबह नाश्ते के साथ या हल्के स्नैक के रूप में इसका सेवन ज्यादा लाभकारी माना जाता है। इसे हल्का भूनकर खाना सबसे अच्छा विकल्प है। चाहें तो इसे दही, ताजे फलों या सूखे मेवों के साथ भी खा सकते हैं। कोशिश करें कि बहुत ज्यादा नमक, मसाले या तेल में तैयार किए गए मखाने का नियमित सेवन न करें, क्योंकि इससे इसके स्वास्थ्य लाभ कम हो सकते हैं।

संक्षिप्त

शाहरुख खान का कौन-सा सपना हुआ साकार? जय शाह और आईसीसी का जताया आभार

मियामी,एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता और कोलकाता नाइट राइडर्स (ज्ञ्ज्ञ्त) के सह–मालिक शाहरुख खान ने अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने लॉस एंजिलिस में नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड के उद्घाटन की घोषणा की। इस मौके पर शाहरुख ने इसे अपने सपने का साकार होना बताया और आईसीसी चेयरमैन जय शाह तथा आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता का विशेष धन्यवाद किया। शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर लिखा, टजो एक सपने के रूप में शुरू हुआ था, वह आज हकीकत बन गया। लॉस एंजिलिस के नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड में आप सभी का स्वागत है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ क्रिकेट खेलने का मैदान नहीं है, बल्कि मनोरंजन, परिवारों और ऐसी यादें बनाने की जगह है जो हमेशा साथ रहेंगी। शाहरुख ने इस परियोजना को सफल बनाने में सहयोग के लिए आईसीसी चेयरमैन जय शाह का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा कि इस पूरे सफर में जय शाह का सहयोग बेहद अहम रहा। इसके अलावा उन्होंने आईसीसी और उसके सीईओ संजोग गुप्ता का भी आभार जताया, जिन्होंने इस पहल को पूरा समर्थन दिया। शाहरुख खान ने कहा कि यह स्टेडियम सिर्फ लॉस एंजिलिस के लिए नहीं, बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों और पूरे नाइट राइडर्स परिवार के लिए है। उन्होंने अपने मशहूर संदेश शबिलीव इन पर्पल एंड गोल्डश के साथ फैंस का स्वागत किया और लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के नए घर का हिस्सा बनने की अपील की। नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड लॉस एंजिलिस में तैयार किया गया नया क्रिकेट परिसर है। इसका उद्देश्य अमेरिका में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव को मजबूत करना और खिलाड़ियों के साथ–साथ स्थानीय समुदाय को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यह मैदान मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा लेने वाली लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स टीम का नया घरेलू मैदान होगा। फीफा विश्व कप और ओलंपिक की तरह अब अमेरिका में भी क्रिकेट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। 2024 में टी20 विश्व कप की मेजबानी के बाद देश में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार निवेश हो रहा है। ऐसे में लॉस एंजिलिस में नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड का निर्माण अमेरिका में क्रिकेट के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कराटे और हैंडबाल टीमें क्यों नहीं जाएंगी एशियाड में? अलीशा ने लगाई गुहार, पदक दिलाने का किया वादा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत को पहली बार एशियाई कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक दिलाने वाली अलीशा चौधरी का नाम एशियाई खेलों की लॉन्ग लिस्ट में शामिल नहीं है। कराटे और हैंडबॉल टीमों के खिलाड़ियों के नाम भी सूची में नहीं हैं। अलीशा ने आईओए से एशियाड भेजने की गुहार लगाते हुए देश के लिए पदक जीतने का वादा किया है। देश को पहली बार एशियाई कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक दिलाने वाली हरियाणा की अलीशा चौधरी के सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेने पर तलवार लटकी हुई है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से अलीशा और कराटे टीम के दूसरे सदस्यों का नाम एशियाई खेलों की लांग लिस्ट में नहीं भेजा गया है। अलीशा ने 21 जून को ही बाली में कुमिते के 55 किलो भार वर्ग में देश को स्वर्ण दिलाया है। आज तक यह उपलब्धि किसी ने भी हासिल नहीं की। अलीशा एशियाई खेलों में भी पदक की दावेदार हैं, लेकिन उनके एशियाई खेलों में भाग लेने की उम्मीदें खत्म होती जा रही हैं। कराटे ही नहीं हैंडबाल की टीम एशियाई खेलों में भाग नहीं ले पाएगी। इन दोनों ही खेलों के खिलाड़ियों का नाम आईओए की लांग लिस्ट में नहीं है। अलीशा ने गुहार लगाई है कि वह देश को पदक दिलाएंगी, उन्हें एशियाड में भेजा जाए। अलीशा का कहना है कि अगर उन्हें नहीं भेजा गया तो फिर वह अदालत से न्याय की गुहार लगाएंगी। कराटे और हैंडबाल के भारतीय खेल संघों को उनके अंतरराष्ट्रीय महासंघों से तो मान्यता है, लेकिन खेल मंत्रालय और आईओए ने उन्हें मान्यता नहीं दे रखी है, जिसका सीधा खामियाजा इन खेलों के खिलाडियों को भुगतना पड़ रहा है। अलीशा बताती हैं कि वह 29 जून को आईओए में भी गई थीं। उन्होंने कहा कि वह एशियाई चैंपियन हैं, उन्हें एशियाड भेजा जाए, लेकिन उनसे कह दिया गया कि वह एशियाड नहीं जा सकती हैं। अलीशा ने बीते वर्ष भी एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीता था। इस प्रदर्शन के बाद उन्हें और भुवनेश्वरी को टारगेट एशियन गेम्स (टैग) में भी शामिल कर लिया गया। बावजूद इसके उन्हें नहीं भेजा जा रहा है। एशियाई खेलों में नहीं भेजे जाने के कारण बीते वर्ष एशियाई चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहने वाले अक्षय महाराभूषणम ने अदालत की शरण ली हैं। अक्षय के मुताबिक आईओए ने अदालत से कहा है कि कराटे टीम का नाम लांग लिस्ट में नहीं भेजा गया है। सूत्र बताते हैं कि एशियाड के आयोजकों को भेजी जा रही शॉर्ट लिस्ट में भी कराटे और हैंडबाल का नाम नहीं है। कराटे महासंघ के अध्यक्ष भरत शर्मा का कहना है कि अलीशा एशियाड में इतिहास रचेगी। उसे हर हाल में जापान भेजा जाना चाहिए। हैंडबाल की टीम इस समय अपने खर्च पर जूनियर विश्व चैंपियनशिप में खेल रही है। हैंडबाल की महिला टीम एशियाड में खेलने के खेल मंत्रालय के मानदंडों पर खरी उतरती है।

विश्वकप के हीरो, आईपीएल में भी चला बल्ला: फिर अचानक क्या हो गया सैमसन को, दूसरे टी20 में वैभव को मिलेगा मौका?

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रिकेट में एक कहावत है कि आपका पिछला प्रदर्शन आपको पहचान दिलाता है, लेकिन अगला मैच आपकी जगह तय करता है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस समय कुछ ऐसी ही स्थिति से गुजर रहे हैं। कुछ महीने पहले तक टी20 विश्व कप 2026 में भारत की खिताबी जीत के सबसे बड़े नायकों में शामिल रहे संजू अब लगातार तीन खराब पारियों के बाद एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में हैं। दूसरी ओर, 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी लगातार रन बनाकर टीम इंडिया के दरवाजे पर जोरदार दस्तक दे रहे हैं। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से पहले सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या टीम मैनेजमेंट अनुभव पर भरोसा बनाए रखेगा या फिर भविष्य की ओर देखते हुए युवा बल्लेबाज को मौका देगा। दिलचस्प बात यह है कि टी20 विश्व कप 2026 से पहले संजू सैमसन की जगह भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं थी। खराब फॉर्म के चलते वह प्लेइंग इलेवन से बाहर हो गए थे और ईशान किशन को मौका दिया गया था। लेकिन नॉकआउट चरण में टीम मैनेजमेंट ने एक बार फिर संजू पर भरोसा जताया और उन्होंने उस भरोसे को पूरी तरह सही साबित किया।

संजू ने विश्व कप में सिर्फ पांच मुकाबले खेले, लेकिन 321 रन बनाकर पूरे टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल रहे। उनका स्ट्राइक रेट 199.37 का रहा। उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए और 97' रन की नाबाद पारी भी खेली। सबसे अहम बात यह रही कि उनके रन उन मुकाबलों में आए, जब भारत दबाव में था। सेमीफाइनल और फाइनल में उनकी पारियों ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसके चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। विश्व कप के बाद आईपीएल 2026 में भी संजू का बल्ला खामोश नहीं रहा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए उन्होंने 14 मैचों में 477 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 165.62 का था। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाए। यानी फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका प्रदर्शन यह बता रहा था कि वह शानदार लय में हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी

उसी फॉर्म को जारी रखेंगे। लेकिन आयरलैंड दौरे पर कहानी पूरी तरह बदल गई। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में संजू सिर्फ पांच रन बना सके। दूसरे मुकाबले में उनका खाता भी नहीं खुला। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन सात गेंद खेलने के बाद वह सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। यानी पिछली तीन अंतरराष्ट्रीय पारियों में उनके बल्ले से सिर्फ छह रन निकले हैं। यही आंकड़ा अब उनके खिलाफ सबसे बड़ा तर्क बन गया है। संजू के करियर में यह पहली बार नहीं है, जब उनकी निरंतरता पर सवाल उठे हों। वह कई बार शानदार पारियां खेलकर सुर्खियां बटोरते हैं, लेकिन फिर लगातार छोटे स्कोर उनकी जगह पर सवाल खड़े कर देते हैं। यही वजह है कि विश्व कप जैसा ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बावजूद आज उनकी जगह को लेकर बहस छिड़ी हुई है। अगर बेंच पर कोई साधारण खिलाड़ी बैठा होता, तो शायद टीम प्रबंधन संजू को कुछ और मौके देता। लेकिन इस समय इंतजार कर रहे खिलाड़ी का नाम वैभव सूर्यवंशी है, जिसने पिछले दो महीनों में लगभग हर मंच पर रन बनाकर खुद को सबसे मजबूत दावेदार बना दिया है। महज 15 साल की उम्र में वैभव ने आईपीएल 2026 में ऐसा प्रदर्शन किया, जिसकी पूरे क्रिकेट जगत में चर्चा हुई। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा। उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए तथा पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का पुरस्कार भी मिला। आईपीएल के बाद भी उनका बल्ला नहीं रुका। भारत–ए के लिए हालिया सीरीज में उन्होंने श्रीलंका ए के खिलाफ 94 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा अफगानिस्तान ए के खिलाफ 38 और 44 रन बनाए, जबकि अन्य मुकाबलों में 21 और 14 रन का योगदान दिया। यानी वह लगातार रन बना रहे हैं और चयनकर्ताओं को सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। भारतीय टीम के सामने यह फैसला बिल्कुल आसान नहीं है। एक तरफ वह बल्लेबाज है जिसने कुछ ही सप्ताह पहले विश्व कप के बड़े मुकाबलों में भारत को जीत दिलाई थी। दूसरी तरफ ऐसा युवा खिलाड़ी है, जिसने आईपीएल से लेकर भारत–ए तक हर जगह रन बनाकर यह साबित कर दिया है कि वह अगले स्तर के लिए तैयार है। अगर टीम प्रबंधन सिर्फ अनुभव को प्राथमिकता देता है तो संजू सैमसन को एक और मौका मिल सकता है। लेकिन अगर चयन का पैमाना मौजूदा फॉर्म और भविष्य की टीम तैयार करना है, तो वैभव सूर्यवंशी का नाम सबसे आगे नजर आता है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा टी20 सिर्फ सीरीज का अगला मुकाबला नहीं होगा, बल्कि यह भारतीय टीम के भविष्य की दिशा भी तय कर सकता है।

वैभव सूर्यवंशी को क्यों नहीं मिल रहा मौका? शास्त्री बोले- वो खेलता तो गेंदबाजों की धुनाई कर देता

लंदन,एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच और दिग्गज कमेंटेटर रवि शास्त्री ने 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अब तक अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका नहीं मिलने पर टीम मैनेजमेंट की जमकर आलोचना की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड दौरे पर ही वैभव को प्लेइंग–11 में शामिल किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आईपीएल और अंडर–19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को लगातार बेंच पर बैठाना समझ से परे है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 776 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने भारत को अंडर–19 विश्व कप जिताने में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली, लेकिन अब तक उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला है। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ दोनों मुकाबले गंवाए, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ पहला टी20 बारिश के कारण रद्द हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ पहला टी20 बारिश की भेंट चढ़ने के बाद रवि शास्त्री ने टीम चयन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वैभव को आयरलैंड के खिलाफ खेलने का सबसे अच्छा मौका था। शास्त्री ने कहा, अरे, वो खेलना चाहिए था यार। आयरलैंड के खिलाफ उसे जरूर खिलाना चाहिए था। वहां की पिच धीमी और स्पंजी थी। वह गेंदबाजों की धुनाई कर देता। मैदान भी छोटा था। वह उनकी पूरी हालत खराब कर देता। उसे वहां जरूर मौका मिलना चाहिए था। अब इंग्लैंड में उसे मौका मिलेगा या नहीं, मुझे नहीं पता। लेकिन उसे जल्द से जल्द एक मैच जरूर खिलाना चाहिए। शास्त्री ने कहा कि वैभव ने आईपीएल में लगभग हर बड़े गेंदबाज के खिलाफ रन बनाए हैं, इसलिए उसे बेंच पर बैठाना गलत फैसला है। शास्त्री ने कहा, उसने आईपीएल में सबकी धुनाई की है। बताइए, किस तेज गेंदबाज को उसने छोड़ा था? और आप उसे बेंच गर्म करवाए जा रहे हैं। पूर्व भारतीय कोच ने वैभव को टीम इंडिया का एक्स–फैक्टर बताते हुए कहा कि उनकी सबसे बड़ी ताकत उनका निडर रवैया है। शास्त्री ने कहा, वह एक्स–फैक्टर खिलाड़ी है। उसके ऊपर किसी तरह का दबाव या बोझ नहीं है। वह सिर्फ 15 साल का है।

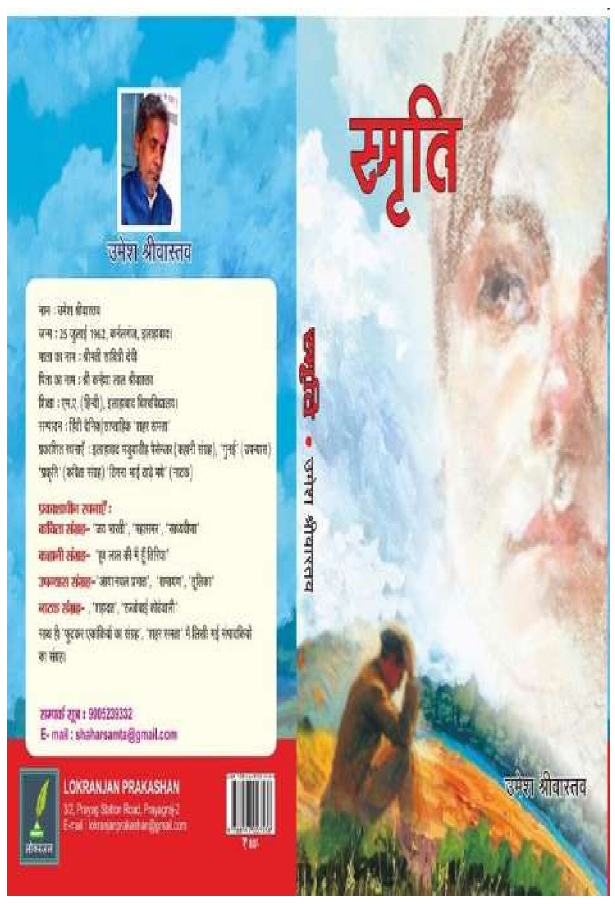

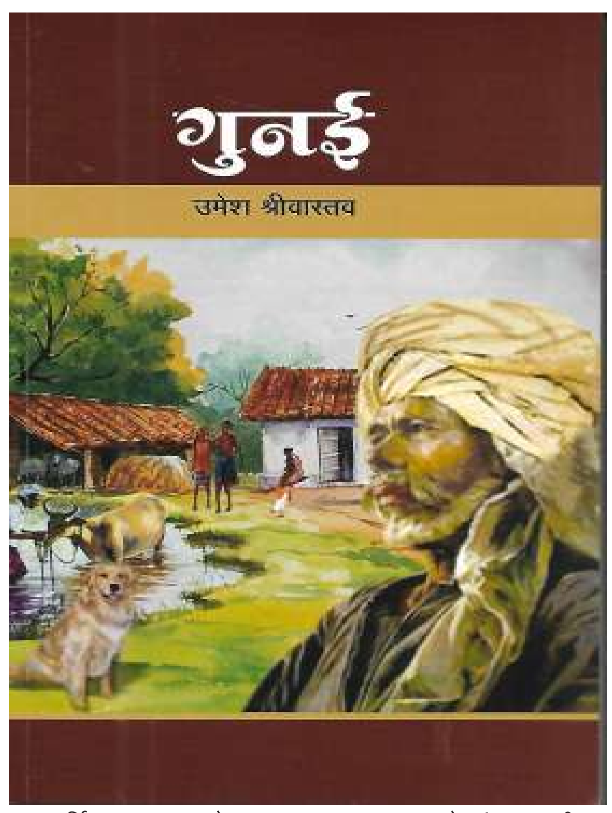

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

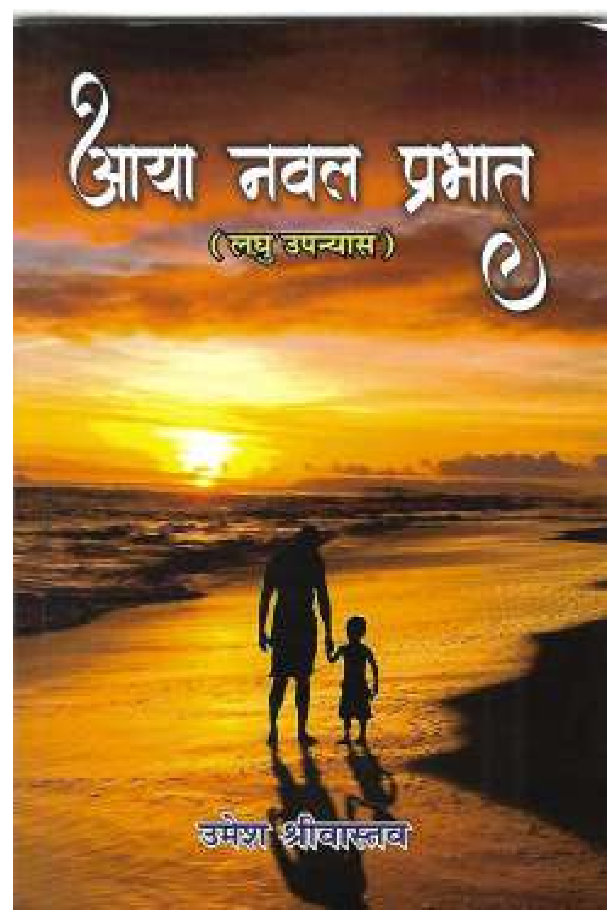

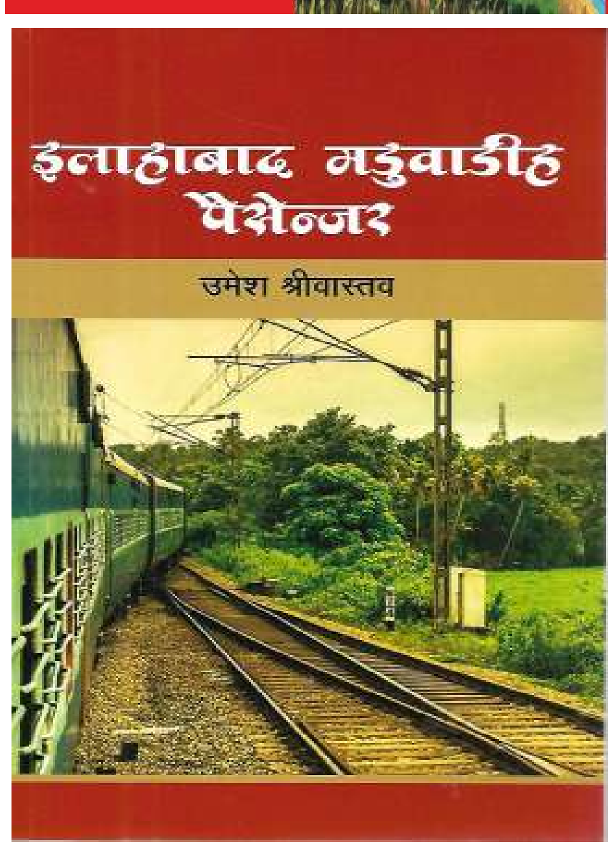

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

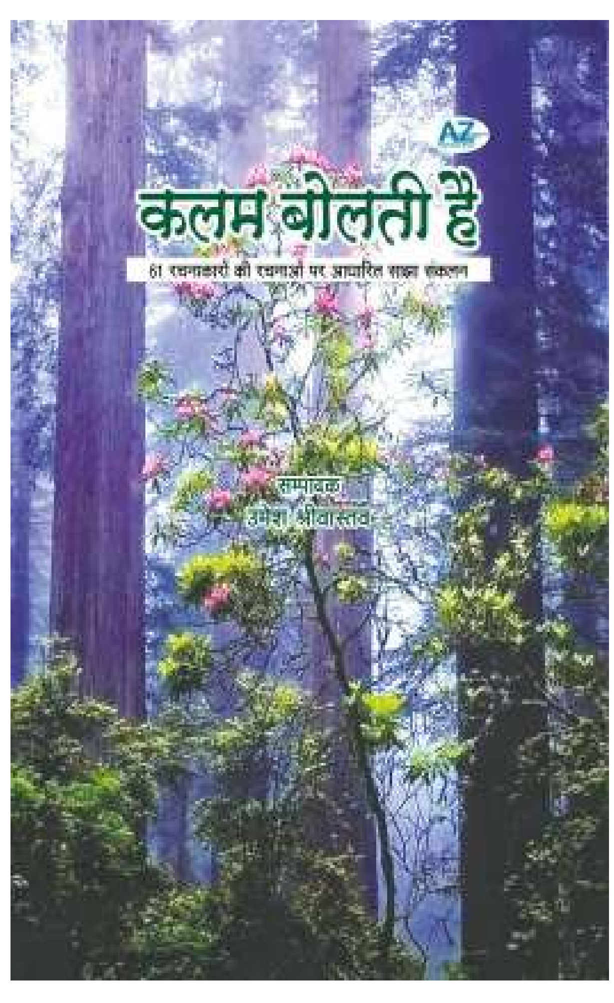

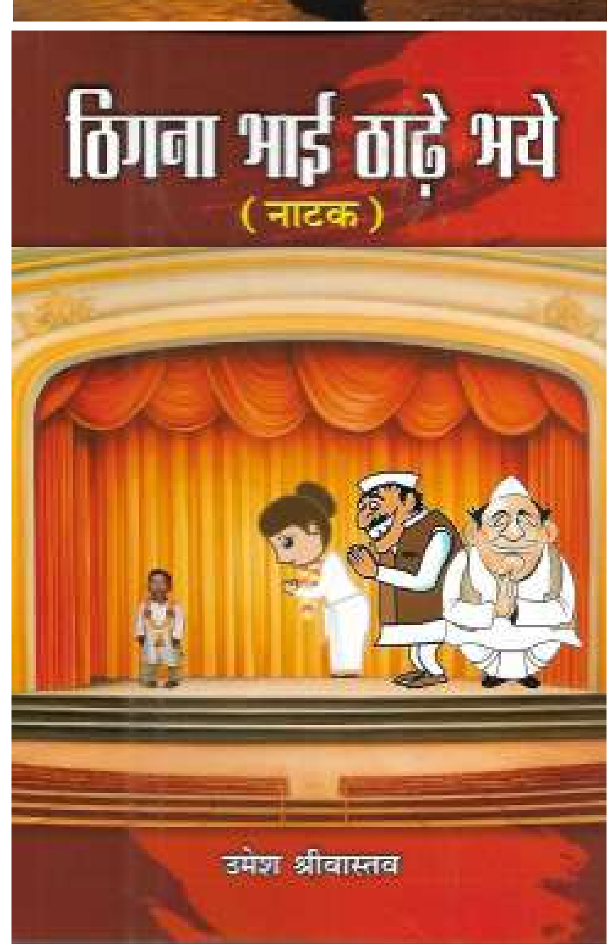

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

वेनेजुएला में भारतीय सेना का राहत मिशन युद्धस्तर पर जारी, मलबे से 79 वर्षीय महिला को बचाया

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप बाद भारतीय सेना ने मलबे के नीचे फंसी एक 79 साल की बुजुर्ग महिला को सफलतापूर्वक निकाला। ऑपरेशन अमिस्ताद के

तहत मानवीय मिशन के हिस्से के तौर पर उसका इलाज शुरू किया गया। भारतीय आर्मी ने समय रहते महिला को बाहर निकालकर उन्हें तुरंत फील्ड अस्पताल में पहुंचाया, जिससे उसकी जान बच सकी। भारतीय सेना के इस काम की वेनेजुएला में हर जगह तारीफ हो रही है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने वेनेजुएला के उन परिवारों के वीडियो शेयर किए जो आर्मी फील्ड हॉस्पिटल में देखभाल के लिए भारत का धन्यवाद कर रहे थे। अभी महिला का नाम पता नहीं चला है लेकिन भारतीय सेना भूकंप से प्रभावित लोगों की मदद के लिए तेजी से काम कर रही है और मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहरा रही है। महिला के पैर में फ्रैक्चर था, साथ ही पेरिफेरल आर्टरी की बीमारी भी थी। मलबे के नीचे फंसने के कारण इलाज में देरी भी उनकी जान ले सकती थी, क्योंकि गंभीर आर्टरी अल्सर और तेज दर्द बढ़ गया था। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह वेनेजुएला में भूकंप पीड़ितों के साथ हरसंभव मदद को तैयार है। महिला के ठीक होने की उम्मीद जगी भारतीय सेना ने इस बुजुर्ग महिला को तुरंत संभाला और फ्रैक्चर का इलाज किया। वहीं घावों को भी देखभाल भी की गई, जिससे उनके मन में तुरंत ठीक होने की उम्मीद जागी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, वेनेजुएला के लोगों के साथ भारत एकजुट है। राहत कार्य जारी, 2200 से अधिक लोगों की मौत पिछले हफ्ते वेनेजुएला में आए दो जबरदस्त भूकंपों में 2200 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद बचाव और राहत का काम जारी है। माना जा रहा है कि मरने वालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वे के अनुसार, इस बात की बहुत अधिक आशंका है कि हजारों लोगों की मौत हुई है। 58,870 इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट नासा के शोधकर्ताओं का अनुमान है कि मध्य–उत्तरी वेनेजुएला में आए दो जोरदार भूकंपों से लगभग 58,870 इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष और राष्ट्रपति के भाई जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा, इन भूकंपों के बाद मृतक संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

ईरान- यूएस के बीच परमाणु मुद्दे पर मंथन कब?: जेडी वेंस बोले- दोहा में तेहरान के साथ सही दिशा में चल रही बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि कतर के दोहा में ईरान के साथ चल रही बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि अभी

तकनीकी स्तर की चर्चा चल रही है और जल्द ही परमाणु मुद्दे पर भी बातचीत शुरू होगी। वेंस ने वर्जीनिया में अमेरिकी सैनिकों को संबोधित करने के बाद कहा कि हालांकि अभी शुरुआती समय है, लेकिन बातचीत अच्छी चल रही है।

दोहा में तकनीकी स्तर की चर्चा शुरू

उपराष्ट्रपति वेंस के अनुसार, इस समय अमेरिकी तकनीकी विशेषज्ञ दोहा में ईरान, कतर और अन्य पक्षों के साथ बैठकर समझौते की बारीकियों पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका परमाणु मुद्दे को लेकर काफी चिंतित है और इस पर जल्द ही विस्तार से बात शुरू की जाएगी। वेंस ने जोर देकर कहा कि यह बातचीत किसी कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि अमेरिका की ताकत की वजह से संभव हो पाई है। ताकत के दम पर बातचीत का दावा

जेडी वेंस ने वर्तमान अमेरिकी दृष्टिकोण की तुलना अफगानिस्तान और इराक युद्ध से की। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप केवल तभी सैन्य कार्रवाई का आदेश देंगे जब लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट और परिभाषित हों। वेंस ने कहा कि ट्रंप एक ऐसी स्थिति से बातचीत कर रहे हैं जहां ईरान का परमाणु कार्यक्रम और उसकी पारंपरिक सेना काफी हद तक कमजोर हो चुकी है। उन्होंने उन लोगों पर भी निशाना साधा जो इस बातचीत की आलोचना कर रहे हैं। वेंस ने कहा कि प्रशासन पर हमला करने वाले वही लोग हैं जिन्होंने अतीत में अफगानिस्तान जैसी जगहों पर बिना किसी ठोस लक्ष्य के बमबारी को बढ़ावा दिया था। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ट्रंप का रुख दूसरी ओर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान को परमाणु हथियारों से मुक्त करने (डीन्यूक्लियराइजेशन) की प्रक्रिया पर संतोष जताया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर.9190052 39332
.919450482227

'अमेरिका फर्स्ट ही भविष्य': आजादी की 250वीं वर्षगांठ से पहले ट्रंप ने और क्या कहा? रूजवेल्ट का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका अपनी आजादी की 250वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने देशवासियों को एक बड़ा राजनीतिक और वैचारिक संदेश दिया है। नॉर्थ डकोटा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में ट्रंप ने कहा कि सरकार का पहला कर्तव्य केवल अमेरिकी लोगों की सेवा करना है और यही श्अमेरिका फर्स्ट्श की असली भावना है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट के जीवन और विचारों को अमेरिका के भविष्य के लिए प्रेरणा बताया। ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि अमेरिका के 250वें वर्ष में देश को अपने इतिहास, साहस और राष्ट्रभक्ति को फिर से याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक ऐतिहासिक और वीर राष्ट्र है, जिसने हमेशा कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। ट्रंप ने कहा कि थियोडोर रूजवेल्ट ने कभी हार नहीं मानी और वही जज्बा आज के अमेरिका को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता, साहस और राष्ट्रीय हित किसी भी मजबूत राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। अमेरिका फर्स्ट्श क्यों बताया सबसे बड़ी प्राथमिकता? ट्रंप ने कहा कि यदि अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा का आज भी कोई अर्थ है, तो वह यही है कि सरकार केवल अमेरिकी जनता के हित में काम करे। उन्होंने कहा कि श्अमेरिका फर्स्ट्श कोई नारा नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। ट्रंप के अनुसार, राष्ट्रीय हित को दलगत राजनीति, विशेष हित समूहों और पहचान की राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की हर नीति का केंद्र अमेरिकी नागरिक होने चाहिए। ट्रंप ने कहा कि थियोडोर रूजवेल्ट ऐसे नेता थे, जिन्होंने साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने रूजवेल्ट के उस विचार का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि कायरों के हाथों में स्वतंत्रता लंबे समय तक नहीं टिक सकती। ट्रंप ने कहा कि रूजवेल्ट ने देश के विकास, पर्यावरण संरक्षण, श्रमिकों के हित और राष्ट्रीय एकता के लिए काम किया। उनके अनुसार, आज भी अमेरिका को उन्हीं मूल्यों पर आगे बढ़ने की जरूरत है। अपने भाषण में ट्रंप ने अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ को केवल एक ऐतिहासिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करने का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि यह समय उस अदम्य भावना को फिर से अपनाने का है, जिसने अमेरिका को दुनिया की प्रमुख शक्तियों में शामिल किया। ट्रंप ने कहा कि देश को महत्वाकांक्षा, नवाचार और राष्ट्रभक्ति के रास्ते पर आगे बढ़ना होगा ताकि भविष्य की चुनौतियों का मजबूती से सामना किया जा सके। ट्रंप ने थियोडोर रूजवेल्ट को कम्युनिज्म का कट्टर विरोधी बताते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी विचारधाराओं के खिलाफ हमेशा आवाज उठाई थी, जो सभ्यता और स्वतंत्रता के लिए खतरा बन सकती हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका की ताकत उसकी स्वतंत्र सोच, लोकतांत्रिक व्यवस्था और बड़े लक्ष्य हासिल करने की महत्वाकांक्षा में निहित है। उन्होंने कहा कि देश को आगे भी इन्हीं मूल्यों के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

क्या पनामा नहर पर कब्जा कर रहा चीन? ट्रंप ने दी खुली चेतावनी, बोले- ऐसा कभी नहीं होने देंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर पनामा नहर और चीन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण सौंपकर बड़ी गलती की थी और अब चीन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका ऐसा हरगिज नहीं होने देगा। उन्होंने यह बयान नॉर्थ डकोटा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह के दौरान दिया। इस दौरान उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता और राष्ट्रपति की शक्तियों पर भी अपनी राय रखी। ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा को सौंपा तो उसके बाद वहां से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क कई गुना बढ़ा दिया गया। उनके अनुसार, इससे पनामा को भारी आर्थिक फायदा हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि अब चीन इस अहम समुद्री मार्ग पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने रणनीतिक हितों से जुड़ा यह मुद्दा किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं करेगा। पनामा नहर एक कृत्रिम जलमार्ग है, जो अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ता है। इससे जहाजों को पूरे दक्षिण अमेरिका का लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ता और हजारों किलोमीटर की दूरी बच जाती है। यह इतना महत्वपूर्ण क्यों? दुनिया के व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इससे समय, ईंधन और परिवहन लागत कम होती है। इसलिए इसे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में गिना जाता है।

चीन को लेकर विवाद क्यों? चीन की कंपनियां पनामा नहर के दोनों ओर स्थित दो बड़े बंदरगाहों का संचालन करती हैं। अमेरिका को डर है कि इससे चीन इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपना प्रभाव बढ़ा सकता है। नहर कैसे काम करती है? दोनों महासागरों के जलस्तर में थोड़ा अंतर है। इसलिए पनामा नहर में लॉक यानी बड़े जलद्वार बने हैं। ये पानी को भरकर या निकालकर जहाजों को ऊपर–नीचे उठाते और उतारते हैं। इसी व्यवस्था की मदद से जहाज एक महासागर से दूसरे महासागर तक पहुंचते हैं। अपने संबोधन में ट्रंप ने जन्मसिद्ध नागरिकता के मुद्दे पर भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार इस विषय पर अदालत का फैसला सही नहीं था। ट्रंप ने दावा किया कि जन्मसिद्ध नागरिकता का प्रावधान मूल रूप से गृहयुद्ध के बाद गुलामों के बच्चों के लिए बनाया गया था।

उन्होंने कहा कि भविष्य में इस मुद्दे पर आगे भी कानूनी और राजनीतिक स्तर पर प्रयास जारी रहेंगे। राष्ट्रपति की शक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को क्यों बताया अहम? ट्रंप ने हाल में आए सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे राष्ट्रपति के अधिकारों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद ऐसा फैसला आया है, जिसने राष्ट्रपति पद की संवैधानिक शक्तियों को फिर से स्पष्ट किया है। ट्रंप के अनुसार, मजबूत नेतृत्व के लिए राष्ट्रपति के पास पर्याप्त अधिकार होना जरूरी है और यह फैसला उसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कतर बैठक: होर्मुज पर पूर्ण नियंत्रण व जहाजों से शुल्क वसूली चाहता है ईरान, इसके लिए बल प्रयोग को भी तैयार

दोहा/दुबई, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बुधवार को दोहा (कतर) में हुई तकनीकी बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही पर सहमति और युद्धविराम सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। चर्चा की सीधी जानकारी रखने वाले सूत्र ने बताया कि ईरान होर्मुज पर पूर्ण नियंत्रण और खाड़ी में आने–जाने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की क्षमता के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता पाने के लिए दृढ़ है, भले ही इसके लिए बल प्रयोग करना पड़े। ईरानी अधिकारी ने भी यही जानकारी दी। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के दामाद जेरेड कुशनर और दूत स्टीव विटकॉफ ने कतर के पीएम से मुलाकात की। यह वार्ता गत माह हस्ताक्षरित 14–सूत्रीय अंतरिम समझौते पर आधारित है, जिसमें युद्ध रोकना, होर्मुज को फिर खोलना और 60 दिन के स्थायी शांति समझौते के लिए वार्ता शुरू करना शामिल था। इस बीच, ईरान ने कहा, समझौते की भाषा उसे यह तय करने का हक देती है कि कौन से जहाज इस संकरे जलमार्ग से किस रास्ते का उपयोग करेंगे व कौन नहीं। सूत्रों के मुताबिक, ईरान ने स्पष्ट कहा है कि यदि होर्मुज स्ट्रेट पर उसके नियंत्रण पर सहमति नहीं बन जाती, तब तक उसके वार्ताकार वाशिंगटन के साथ चल रही शांति वार्ता में विवाद के अन्य मुद्दों पर आगे नहीं बढ़ेंगे। यदि अंतरिम समझौता बिना विस्तार के खत्म हो जाता है तो ईरान अगस्त के मध्य में जहाजों से गुजरने के लिए शुल्क लेना शुरू कर देगा, हालांकि उसने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह क्या शुल्क लेगा या कैसे। शिपिंग में लागत, देरी और जोखिम बढ़ेगा

ईरान होर्मुज पर स्थायी नियंत्रण चाहता है। जबकि ईरान का कोई भी स्थायी नियंत्रण, जिसमें जहाजों के लिए औपचारिकताएं और शुल्क शामिल हों, उस जलमार्ग से होने वाले सभी शिपिंग कार्यों में लागत, देरी और जोखिम बढ़ा देगा। इसके चलते युद्ध से पहले वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के पांचवें हिस्से वाले इस मार्ग पर परेशानियां बढ़ जाएंगीं। यह वॉशिंगटन के रुख के विपरीत है। होर्मुज के अलावा जब्त संपत्ति पर भी फोकस तेहरान। ईरानी अधिकारी ने कहा, ये बातचीत मंगलवार रात शुरू हुई और बुधवार को भी जारी रही। ईरान ने कहा, उसकी प्राथमिकता स्ट्रेट के प्रबंधन पर सहमति और ईरान की जब्त की गई छह अरब डॉलर की संपत्ति को जारी करना है। अधिकारी ने कहा, वार्ता का मौजूदा दौर इन्हीं दो मुद्दों पर केंद्रित होगा। उधर, ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा, ईरान के एटमी अधिकार और अहम शर्तों पर कोई समझौता नहीं होगा। वह बोले, तेहरान वार्ता के अगले चरण में तब तक आगे नहीं बढ़ेगा जब तक कि अमेरिका के साथ हुए 14–सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत मुख्य वादे पूरे नहीं हो जाते। इन वादों में लेबनान में युद्ध खत्म करना और समझौते को लागू करने से जुड़े उपाय शामिल हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

कतर की मध्यस्थता रंग लाई?: दोहा में US-ईरान वार्ता से बढ़ी उम्मीद, 14 सूत्रीय समझौते पर हुई सकारात्मक चर्चा

दोहा, एजेंसी। कतर के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार कतर और पाकिस्तान ने दोहा में अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के साथ अलग–अलग बैठकें संपन्न कीं। जिनमें 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) से संबंधित मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। प्रधानमंत्री के सलाहकार ने क्या बताया?

गुरुवार को एक एक्स पोस्ट में कतर के प्रधानमंत्री के सलाहकार और विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता माजेद अल अंसारी ने कहा कि वार्ता लेक ल्यूसर्न शिखर सम्मेलन के परिणामों पर आधारित थी। यह ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता के अंतिम यात्रा के बाद जारी रहेगी। बैठक में क्या हुआ? तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम रारीबाबादी ने कहा श्हमने दोहा बैठक में लेबनान में प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में अमेरिका की विफलता का मुद्दा उठाया था।श उन्होंने आगे कहा कि कतर के अधिकारियों के साथ बैठकों में 6 अरब अमेरिकी डॉलर के एक हिस्से के खर्च से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही इस बैठक में यह सहमति हुई कि घोषित जरूरतों के आधार पर, आवश्यक वस्तुओं की खरीद की जाएगी। उन्हें ईरान के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। पूर्व सर्वोच्च नेता की अंतिम यात्रा कब से है?

ईरानी अधिकारी पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की अंतिम यात्रा 4 से 9 जुलाई तक ईरान और इराक के अलग– अलग स्थानों पर करने की योजना हैं। बता दें कि खामेनेई की मृत्यु 28 फरवरी को ईरान के साथ अमेरिका–इस्राइल युद्ध के पहले दिन एक हवाई हमले में हुई थी। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह चल रहा है। कतर में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों की भागीदारी वाली उच्च स्तरीय वार्ता से ईरान की अनुपस्थिति के बावजूद इस्लामिक गणराज्य के साथ राजनयिक प्रक्रिया के बारे में आशावाद व्यक्त किया था। नवनिर्मित थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी का दौरा करने के लिए नॉर्थ डकोटा रवाना होते समय पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों के जवाब में इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ हाल ही में की गई सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा सकारात्मक रूप से आगे बढ़ी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि हालिया हमलों के बाद ईरान ने अपना रुख बदल लिया है। तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर वाशिंगटन के लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराते हुए, ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, श्ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। अन्यथा, हम जिन चीजों की जांच करते हैं, जो भी कार्रवाई करते हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि देश में पहले कभी इस तरह की गतिविधि नहीं हुई है जैसी कि अभी हो रही है।श

ईरान ने आईएईए को परमाणु ठिकानों तक पहुंच देने से किया इनकार, गालिबाफ बोले- कानून इसकी अनुमति नहीं देता

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हाल में हमले का शिकार हुए अपने परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करने के लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के निरीक्षकों को अनुमति नहीं देगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि इन ठिकानों तक आईएईए की पहुंच की खबरें पूरी तरह गलत हैं और देश का कानून इसकी इजाजत नहीं देता। सरकारी टीवी चौनल आईआरआईबी को दिए साक्षात्कार में गालिबाफ ने कहा कि ईरानी संसद और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने ऐसा कानून बनाया है, जिसके तहत बमबारी से प्रभावित परमाणु स्थलों तक किसी भी परिस्थिति में विदेशी निरीक्षकों को पहुंच नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि निरीक्षकों को वही पहुंच मिलेगी, जिसकी अनुमति सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद देगी। गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड में हुई वार्ता में अपनी भागीदारी का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि इन वार्ताओं से ईरान की कुछ संपत्तियों की रिहाई की प्रक्रिया तेज हुई और कुछ प्रतिबंधों को निलंबित करने की दिशा में प्रगति हुई। उनके अनुसार, यदि ईरान बातचीत में शामिल नहीं होता तो समझौते की शर्तों को आगे बढ़ाना संभव नहीं होता।

ईरानी संसद अध्यक्ष ने कहा कि देश को कूटनीति और सैन्य शक्ति दोनों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान के दुश्मन केवल ताकत की भाषा समझते हैं, इसलिए देश को मजबूत रहना होगा।

क्या एआई पर होगा संयुक्त राष्ट्र का नियंत्रण, यूएन ने क्यों बनाया आईए फॉर गुड आयोग, कैसे करेगा काम?

एजेंसी/आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दुनिया में प्रसार तेजी से बढ़ रहा है। खासकर 2020 के बाद से एक के बाद एक देशों ने एआई को तेजी से अपनाना जारी रखा है। हालांकि, इस पूरे दौर में अब तक एआई के इस्तेमाल को लेकर कोई केंद्रीकृत ढांचा नहीं बन पाया है। मौजूदा समय में अलग–अलग देश इस व्यवस्था को अपने हिसाब से इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि जहां अमेरिका और चीन जैसे देश इस वक्त एआई के क्षेत्र में काफी आगे निकल चुके हैं।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।